

भाजपा सांसदों ने मनाया जन औषधि दिवस मार्च 2027 तक देश भर में 25000 औषधि केंद्र हो जाएंगे : आदित्य साहू

मोदी सरकार सस्ती स्वास्थ्य सेवा के लिए समर्पित : दीपक प्रकाश

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के निर्देश पर शुक्रवार को भाजपा के सांसद गण ने जन औषधि केंद्रों का अवलोकन किया। लाभुकों से बात की और सस्ती दवाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी प्राप्त की। सांसद दीपक प्रकाश ने बताया कि मोदी सरकार जनता को सस्ती स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिये संकल्पित है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों से जनता को जन औषधि केंद्र पर सस्ती दवायें उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। प्रधानमंत्री जी ने 7 मार्च को जन औषधि दिवस



घोषित किया है। उन्होंने कहा कि देश भर 1 से 7 मार्च तक जन औषधि के प्रति जनता को जागरूक करने की दृष्टि से कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसमें

सांसद, विधायकगण, जन प्रतिनिधियों के द्वारा जन औषधि केंद्रों पर जाकर जनता को जागरूक करना एवं विस्तृत जानकारी देने का कार्यक्रम चलाया

जा रहा है। उन्होंने कहा कि जन औषधि केंद्रों पर 2047 जनरल और 300 सर्जिकल उत्पाद ब्रांडेड कंपनियों की दवाओं की तुलना में 70 से 80 प्रतिशत सस्ते दामों पर

उपलब्ध हैं।

इधर, रिस परिसर स्थित जन औषधि केंद्र का अवलोकन करते हुये सांसद आदित्य साहू ने कहा कि देश भर में लगातार जन औषधि केंद्रों से दवा खरीदने के प्रति जनता जागरूक हो रही है। उन्होंने कहा कि यहां शुगर, बीपी, हृदय रोग, किडनी आदि की दवा सस्ते दामों में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि देश भर में प्रतिवर्ष जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़ रही है। फरवरी 2025 तक देश भर में 15 हजार जन औषधि केंद्र खुले हैं। इसकी संख्या मार्च 2027 तक 25000 हो जायेगी। उन्होंने कहा कि जन औषधि केंद्रों ने पिछले दस वर्षों में देश का 10 हजार करोड़ रुपया बचाया है।

स्पीकर ने बाबूलाल मरांडी को विस में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दी

● बजट सत्र में स्पीकर ने सदन में की घोषणा

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने शुक्रवार को भाजपा विधायक बाबूलाल मरांडी को विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता प्रदान की। उल्लेखनीय है कि पिछली बार झामुमो गठबंधन सरकार के दौरान बाबूलाल मरांडी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं मिल पाया था। बाद में, भाजपा ने अमर कुमार बाउरी को विधानसभा में विधायक दल का नेता चुना और उन्हें प्रतिपक्ष के नेता के रूप में मान्यता मिली थी। इस बार के विधानसभा चुनाव में अमर कुमार



बाउरी चुनाव हार गये। इसलिए भाजपा को विधायक दल का नया नेता चुनना पड़ा। धनवार से विधायक बाबूलाल मरांडी पूर्व मुख्यमंत्री रहे हैं। उन्हें गुरुवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में नेता चुना गया। पार्टी ने स्पीकर को इस संबंध में एक पत्र से सूचित किया। स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने शुक्रवार को सदन में कहा कि उनसे पार्टी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र कुमार राय ने बाबूलाल मरांडी को विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया था।



सेन्ट्रल माईन प्लानिंग एण्ड डिजाईन इन्स्टीट्यूट लिमिटेड
CENTRAL MINE PLANNING & DESIGN INSTITUTE LIMITED
(कोल इंडिया की एक अनुषंगी इकाई)
मोदबाना प्लेस, कोई रोड, राँची-834008, झारखंड, भारत

सूचना

"सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in संबंधित अनुषंगी कंपनी (सीएमपीडीआई, www.cmpdi.co.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल <https://coalindiatenders.nic.in> एवं सेंट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल <https://eprocure.gov.in> पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा, जीईएम पोर्टल <https://gem.gov.in> के माध्यम से भी खरीद की जाती है।"



झारखण्ड सरकार
कार्यालय: जिला मत्स्य पदाधिकारी, लोहरदगा
(समाहरणालय परिसर लोहरदगा,
ई-मेल— dfojhar2021loh@gmail.com

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण
मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 268 दिनांक 11.02.2025 के अलोक में आगामी वित्तीय वर्ष 2025–26 में तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना के अन्तर्गत लोहरदगा जिले में मेजर कार्प मत्स्य स्थान की आपूर्ति हेतु हैचरी संचालक, मत्स्य स्थान उत्पादक सह आपूर्तिकर्ता से मुहरबन्द निविदा 22.03.2025 के 10.30 बजे पूर्वाह्न तक अघोहस्ताक्षरी के कार्यालय में स्वीकार किया जाएगा। आगामी वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए निर्गत संघराज्य के आलोक में किया गया संशोधन मान्य होगा।
आवश्यक शर्तें—
(1) स्थान आपूर्तिकर्ता के पास मत्स्य हैचरी एवं हैचरी का सरकारी निबंधन प्रमाण पत्र देना अनिवार्य है।
(2) स्थान आपूर्तिकर्ता को अपने मत्स्य हैचरी का विवरण एवं ब्रुडर का आँकड़ा देना अनिवार्य है।
(3) स्थान आपूर्तिकर्ता को मत्स्य हैचरी का प्रति घरण स्थान उत्पादक के क्षमता से अवगत कराना अनिवार्य होगा।
(4) आपूर्ति किए जाने वाले स्थान में कम-से-कम 40 प्रतिशत कतला होना अनिवार्य होगा।
(5) स्थान की आपूर्ति प्रति ऑक्सीजन बैग पैकिंग में जिला मुख्यालय या अघोहस्ताक्षरी द्वारा विभिन्न प्रखण्डों में निर्धारित कलस्टर स्थल तक जीवित एवं स्वस्थ अवस्था में पहुँचा कर देना होगा।
(6) प्रति आक्सीजन बैग में आपूर्ति किए जाने वाले स्थान की संख्या हैचरी से वितरण स्थल तक की दूरी के अनुसार होगी, जिससे स्थान की उत्तरजीविता बनी रहे। प्रति ऑक्सीजन बैग में न्यूनतम 30,000 तथा अधिकतम 50,000 स्थान की पैकिंग स्वीकार की जायेगी। स्थान आपूर्ति हेतु सफल निविदादाता को कार्यादेश जारी जायेगी। जिसके लिए लोहरदगा जिला को छोड़कर झारखण्ड के अन्य जिलों के स्थानीय हैचरी संचालकों को अपने-अपने जिला के जिला मत्स्य पदाधिकारी से हैचरी का विवरण एवं उपलब्ध ब्रुडर का सत्यापन करा कर देने पर प्राथमिकता दी जाएगी।
(9) निविदादाता को पैन नम्बर एवं वाणिज्यकर विभाग द्वारा पंजीयन (GST) की छायाप्रति एवं विगत तीन वर्ष 2022–23, से 2024–25 तक का आयकर रिटर्न संलग्न करना अनिवार्य होगा।
(10) पूर्व में सरकारी क्षेत्र में स्थान आपूर्ति का कम से कम तीन वर्ष अनुभव एवं ब्यौरा निविदा के साथ प्रस्तुत करना होगा।
(11) स्थान की आपूर्ति हैथिंग के वैज्ञानिक मानकों एवं गुणवत्ता आधारित मानकों के अनुरूप तय समय सीमा के अन्दर जीवित एवं स्वस्थ अवस्था में की जाएगी। संबंधित का कार्यादेश को रद्द करते हुए प्रतिभूति राशि जब्त कर ली जायेगी।
(12) निविदादाता द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के आधार पर मत्स्य हैचरी की क्षमता का एवं उपलब्ध ब्रुडर का आँकड़ा असत्य पाये जाने पर सफल निविदादाता की प्रति भूति राशि जब्त कर ली जाएगी तथा उक्त दर पर द्वितीय सफल निविदादाता को मौका दिया जाएगा।
(13) इस संबंध में किसी भी न्यायालय में किसी प्रकार का वाद का दावा नहीं किया जा सकेगा एवं बिना कारण बताए अघोहस्ताक्षरी को निविदा रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
(14) सरकारी / गैर सरकारी हैचरी अधिकतम 550 / रू० प्रति लाख स्थान की दर विभाग द्वारा प्रस्तावित है, जिसमें से आपूर्ति किये जानेवाले स्थान के मूल्य का 90 प्रतिशत व्यय का वहन सरकार द्वारा तथा 10 प्रतिशत मत्स्य बीज उत्पादक द्वारा किया जाना प्रस्तावित है।
(15) निविदादाता चाहे तो स्वयं अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति निविदा खोलने के समय उपस्थित रह सकते हैं।
(16) विभाग हित में निविदा की शर्तों में बिना कारण बताए, किसी भी समय बगैर पूर्व सूचना के स्वीकृत करने अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अघोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित होगा।
नोट—
(1) विज्ञान दाता का पदनाम एवं पता : जिला मत्स्य पदाधिकारी—सह—मुख्य कार्यापालक पदाधिकारी, लोहरदगा।
(2) निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : 22.03.2025 को 10.30 बजे पूर्वाह्न तक।
(3) निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 22.03.2025 एवं 11.30 बजे पूर्वाह्न
(4) निविदा प्राप्ति का स्थान : कार्यालय जिला मत्स्य पदाधिकारी—सह—मुख्य कार्यापालक पदाधिकारी, लोहरदगा।
(5) दिनांक 22.03.2025 को पूर्वाह्न 11:30 बजे उपायुक्त महोदय, लोहरदगा द्वारा गठित समिति के समक्ष समागार, जिला परिषद लोहरदगा में निविदा खोली जाएगी।
(6)निविदा की विस्तृत शर्त कार्यालय के सूचनापट्ट पर कार्यालय अवधि / एवं Lohardaga.nic.in में देखा जा सकता है।
जिला मत्स्य पदाधिकारी—सह—मुख्य कार्यापालक पदाधिकारी, लोहरदगा

PR 348021 (Lohardaga)24-25'D

महिला विधायकों ने सीएम से की मुलाकात



खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। महिला विधायकों ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से विधानसभा में मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सभी को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी और कहा कि उनकी उपस्थिति नारी शक्ति को बल देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी की भागीदारी से ही देश, राज्य और समाज का विकास संभव है। सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण

और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि झारखंड की महिलाओं ने कई क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियाँ हासिल कर राज्य का मान बढ़ाया है। सरकार हर कदम पर उनका सहयोग करने को तैयार है। इस अवसर पर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, शिल्पी नेहा तिवर्ी, कल्पना सोरेन, डॉ नीरा यादव, लुइस मरांडी, सविता महतो, रागिनी सिंह, ममता देवी, पूर्णिमा दास साहू, श्वेता सिंह और मंजु कुमारी मौजूद थीं।

विधानसभा में सिरम टोली स्थित सरना स्थल का मामला गुंजा



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विधानसभा के बजट सत्र के नौवें दिन आज सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस विधायक डॉ रामेश्वर उरांव ने सूचना के तहत आदिवासी समाज द्वारा रांची में मानव श्रृंखला बनाये जाने का मामला उठाया। इस पर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कमेटी बनाकर सिरम टोली स्थित सरना स्थल का निरीक्षण करने की

बात कही। बाद में स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने भी अपनी सहमति व्यक्त करते हुये इस मामले को दिखवाने का निर्देश दिया। इससे पहले शुक्रवार को चुटिया के सिरमटोली सरना स्थल के सामने बनाये गये फ्लाई ओवर रैम्प को लेकर आदिवासी संगठनों ने हरमू रोड से लेकर विधानसभा तक मानव श्रृंखला बनाकर विरोध दर्ज करवाया। लोगों ने कहा कि सिरमटोली सरना स्थल आदिवासियों का पवित्र स्थान

टैरर फंडिंग मामले : पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप के सहयोगी अरुण गोप को हाई कोर्ट से मिली जमानत

रांची। पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप से जुड़े टैरर फंडिंग मामले में सह अभियुक्त अरुण गोप की जमानत याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने अरुण गोप को राहत प्रदान करते हुए जमानत प्रदान कर दी। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता निरंजन कुमार ने पेरवी की। दरअसल, एनआईए के विशेष न्यायाधीश की अदालत में मामले में ट्रायल चल रही है। अरुण गोप करीब 7 वर्षों से जेल में है। मामले में एनआईए कोर्ट में ट्रायल के दौरान 120 गवाहों को प्रस्तुत किया जा चुका है।
वया है मामला : नोटबंदी के बाद बड़े पुलिस ने दिनेश गोप के 25.38 लाख रुपए बरामद किए थे। इस मामले में बड़े थाना में 10 नवंबर 2016 को कांड संख्या 67/2106 दर्ज की गई थी। 19 जनवरी 2018 को इस केस को एनआईए ने टेकओवर किया और आरसी 2/2018 दर्ज किया था। बता दें कि इस मामले में दिनेश गोप, उसकी दोनों पत्नी हीरा देवी, शकुंतला कुमारी समेत अन्य आरोपी ट्रायल फेस कर रहे हैं।

रिश्वत लेने के आरोप में जेल में बंद रोहित कुमार राठौड़ की जमानत याचिका खारिज
रांची। रिश्वत लेने के आरोप में जेल में बंद कापूर के राजेंद्र नगर निवासी रोहित कुमार राठौड़ की जमानत याचिका सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा ने सुनवाई पश्चात खारिज कर दी है। सीबीआई ने आरोपी को 3000 रुपए रिश्वत लेते 4 फरवरी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। तब से वह जेल में है। उस पर शिकायतकर्ता अमरेंद्र कुमार से मेडिकल फिटनेस से संबंधित प्रमाण पत्र जारी करने के एवज में 3000 हजार रुपये रिश्वत ले रहा था। शिकायतकर्ता वेंतर रेलवे स्टेशन पर टीएम 4 के पद पर तैनात है। पीलिया से पीड़ित होने के कारण छुट्टी पर चला गया था। अपनी बीमारी की छुट्टी लेने टोरी हेल्थ यूनिट गया तो मदद करने के नाम पर रिश्वत की मांग की थी। इसकी शिकायत सीबीआई से की और आरोपी रंगे हाथ पकड़ा गया।

कांग्रेस विधायक सुरेश बैठा के खिलाफ राज्य सेवा के अफसरों ने खोला मोर्चा विधानसभा स्पीकर से मिलकर जताई नराजगी

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। झारखंड प्रशासनिक सेवा के अफसरों ने कांग्रेस विधायक सुरेश बैठा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सुरेश कुमार बैठा के द्वारा राज्य सेवा के सदस्यों के लिए अमर्यादित एवं असंसदीय भाषा का प्रयोग किए जाने को लेकर राज्य प्रशासनिक सेवा संघ की अध्यक्ष और महासचिव ने विधानसभा में स्पीकर रविंद्र नाथ महतो से मुलाकात कर इस मसले से अवगत कराया। साथ ही नाराजगी जाहिर करते हुए अग्रत कार्रवाई की मांग की।

वया है मामला

राज्य सेवा संघ के अफसरों का कहना है कि एक मार्च को विधायक सुरेश कुमार बैठा के साथ बातचीत के दौरान पदाधिकारियों के लिए अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया है। वीडियो क्लिप (संलग्न) में स्पष्ट दिख रहा है कि माननीय सदस्य द्वारा असंसदीय



शब्द के साथ के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी तथा अंचल अधिकारी के लिए उठाकर पटक देने की बात कही गई है। माननीय सदस्य द्वारा ऐसी भाषा का उपयोग किए जाने से झारखण्ड प्रशासनिक सेवा के सभी सदस्य आहत हैं।

मनोबल तोड़ने का काम

संघ ने कहा कि कार्य के प्रति तन, मन, समर्पण भाव से गांव, प्रखण्ड एवं अंचल स्तर पर विकास के सभी कार्य एवं सरकार के सभी योजनाओं का क्रियान्वयन बीडीओ और सीओ के द्वारा ही किया जाता है। पदाधिकारियों की तत्परता मईयां

सम्मान योजना के सफल क्रियान्वन से स्पष्ट परिलक्षित होती है।

स्पीकर से संज्ञान लेने की मांग

संघ ने स्पीकर से कहा है कि हमलोग यह आशा करते हैं कि इस मामले का संज्ञान लेने की कृपा करेंगे। सदस्यों को सम्मान देने में पदाधिकारी कोई कमी नहीं करते हैं। अतः यह अपेक्षा करना गलत नहीं है कि माननीय सदस्य भी पदाधिकारियों के विरुद्ध अमर्यादित भाषा का प्रयोग ना करें एवं उनकी मर्यादा का ख्याल अवश्य रखें।

साल का पहला राष्ट्रीय लोक अदालत आज

- **उद्घाटन कार्यक्रम में हाईकोर्ट के जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद होंगे मुख्य अतिथि**
- **झालसा की ओर से लगभग 300 बेंचों का किया गया गठन**



रांची। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के दिशा-निर्देश पर पूरे राज्य में सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा एवं झारखंड हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति की ओर से 8 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। झालसा द्वारा उद्घाटन कार्यक्रम सुबह 10.30 बजे व्यवहार न्यायालय,

रांची के प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस सह कार्यकारी अध्यक्ष झालसा सुजीत नारायण प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में झालसा द्वारा लगभग 300 बेंचों का गठन किया गया है एवं लाखों की संख्या में विवाद पूर्व एवं लंबित मामलों के निस्तारण की संभावना है।

स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016 के रिजल्ट को लेकर विवाद मामले में हाई कोर्ट में अंतिम सुनवाई 7 अप्रैल को

रांची। झारखंड स्टाफ सिलेबशन कमीशन (जेएसएससी) स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के विज्ञापन संख्या 21/ 2016 से संबंधित मीना कुमारी एवं अन्य की याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। हाई कोर्ट की एकल पीठ ने मामले को अंतिम सुनवाई के लिए 7 अप्रैल की तिथि निर्धारित की। जेएसएससी के वरीय अधिवक्ता राजीव रंजन, अधिवक्ता संजय पियरवाल, प्रिंस कुमार ने पक्ष रखा। दरअसल, पूर्व की सुनवाई के दौरान प्रार्थियों की ओर से कोर्ट को दिखाया गया था कि कई अभ्यर्थियों जिनका अंतिम चयनित अभ्यर्थियों से कम नंबर है उनकी भी नियुक्ति की गई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को आदेश की सही तरीके से पालन नहीं किया है जिसके कारण मेरिट लिस्ट में काफी गड़बड़ियां हैं। गड़बड़ियों को कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। कोर्ट से आग्रह किया गया था कि प्रार्थियों की संख्या हजारों में है ऐसे में एक सदस्य वाली न्यायिक कमीशन का गठन किया जाए जो जेएसएससी के मेरिट लिस्ट और अभ्यर्थियों के व्यक्तिगत शिकायत पर जांच करेगी और फैसला लेगी। प्रार्थियों की ओर से कोर्ट को यह भी बताया गया कि 3704 पद रिक्त हैं उसे सरकार द्वारा सरेंडर करना गलत है, इस संदर्भ में प्रार्थियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट के कई जजमेंटों को भी दर्शाया गया था। कोर्ट से अनुरोध किया गया था कि बंद हुए रिक्त पदों पर प्रार्थियों की नियुक्ति की जाए। सुनवाई के दौरान जेएसएससी की ओर कोर्ट को बताया गया था कि स्टेट वाइज मेरिट लिस्ट के अनुसार जेएसएससी के द्वारा नियुक्ति के अनुशंसा की गई है। प्रार्थियों का यह कथन गलत है कि प्रार्थी का प्राप्तांक स्टेट वाइज मेरिट लिस्ट में अंतिम चयनित अभ्यर्थी से कम है। सभी प्रार्थी का प्राप्तांक स्टेट वाइज मेरिट लिस्ट के चयनित अंतिम अभ्यर्थी से कम है इसलिए इनकी नियुक्ति नहीं की गई है। दरअसल, मीना कुमारी एवं अन्य की ओर से हाइकोर्ट में याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2016 में जो हाई स्कूल शिक्षक की नियुक्ति का विज्ञापन निकला था उसके अलोक में उनकी भी नियुक्ति होने चाहिए। क्योंकि कट ऑफ से ज्यादा मार्क्स उन्होंने लाया है, अगर हाई स्कूल शिक्षकों की रिक्तियां बची हैं तो उनकी भी नियुक्ति होनी चाहिए।

बजट सत्र : पेसा नियमावली को दिया जा रहा अंतिम रूप

● द्विपीय पाली में सदन से भाजपा का वॉकआउट

खबर मन्त्र व्यूरे

रांची। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि पेसा नियमावली के लिये 145 सुझाव व मंतव्य को शामिल किया गया है। नियमावली को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मंत्री शुक्रवार को द्वितीय पाली में अनुदान मांग पर अपनी बात रख रही थी। उन्होंने विधायकों के फंड पर कहा कि पिछले साल की तुलना में इस बार उससे कम फंड नहीं मिलेगा। इस बीच भाजपा ने सदन ने वॉक आउट किया। उन्होंने कहा कि हर साल केंद्र मनरेगा के बजट में कटौती कर रहा है। इसमें करणान दिखाने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन, मनरेगा ने पलायन रोकने का काम किया है। सदन को चार महीने के बाद नेता



प्रतिपक्ष मिला है। उन्होंने विपक्ष से कहा कि धीरे से बैठिये विकास का पहिया तेजी से घूमेगा।
टैंडर पर जल्द ही कैबिनेट में प्रस्ताव आयेगा
काम की गुणवत्ता को लेकर टैंडर पर उठे सवाल पर कहा कि इस पर जल्द ही कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जायेगा। पक्ष और विपक्ष के सुझावों पर अमल किया जायेगा। सरकार जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेगी। पीएम आवास योजना के तहत एक लाख 20 हजार रुपए का ही प्रावधान किया गया है। लेकिन, अबुआ आवास योजना के लिये दो लाख रुपए का प्रावधान





महिलाओं के सम्मान हेतु अनवरत कार्य कर रही अबुआ सरकार...

घर, परिवार, समाज की धुरी महिला को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने का सीधा अर्थ है देश और राज्य का स्वतः सुदृढ़ हो जाना। झारखण्ड के परिप्रेक्ष में देखें तो झारखण्ड सरकार ने इस गणित को समझा और कई सफल योजनायें बनाकर चरणबद्ध तरीके से आधी आबादी को आर्थिक स्वावलंबन देने का प्रयास कर रही है। महिलाएं अगर आर्थिक रूप से स्वावलंबी हों, तो वह अपने घर, समाज, प्रदेश को उन्नति के रास्ते पर ले जा सकती हैं। झारखण्ड की ग्रामीण आदिवासी महिलाएं आदिकाल से बहुत मेहनती रही हैं और लंबे समय से आर्थिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती रही हैं। हेमन्त सरकार ने झारखण्ड की महिलाओं के इस कार्यशैली को और बेहतर करने का फैसला लिया और पिछले 5 सालों में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई सफल योजनाओं को धरातल पर उतारा है। सरकार की ओर से राज्य और राज्य के बाहर व्यापार में भागीदारी को सुनिश्चित करने, बालिका शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने, महिलाओं को पेंशन के जरिए आर्थिक मजबूती देने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। अभी सरकार द्वारा चलायी जा रही आधा दर्जन योजनाएं सिर्फ और सिर्फ महिलाओं की समृद्धि पर केंद्रित हैं।

बेटियों को मिल रही सपनों की उड़ान



किशोरियों की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से हेमन्त सरकार द्वारा प्रारंभ की गयी सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ सबसे अधिक ग्रामीण क्षेत्र में हो रहा है। ग्रामीण परिवेश की किशोरियों का स्कूल ड्राप आउट कई बार छोटी-छोटी आर्थिक जरूरत के पूरी ना होने की वजह से हो जाती थी। हेमन्त सरकार ने इस मामले को समझा और किशोरियों की आर्थिक जरूरत के लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का उपहार दिया। महिला प्रोत्साहन और उनकी शिक्षा में बेहतर प्रयास के रूप में इस योजना को देखा जा रहा है। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि

योजना से 10 लाख किशोरियों को जोड़ा गया है। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत सरकार की ओर से कुल 5 बार में ₹40000 तक आर्थिक सहायता दी जाती है। यह सहायता वर्ग आठ से प्रारम्भ हो कर उनके 12वीं तक पहुंचने तक मिलती रहती है। इस योजना के तहत सरकारी स्कूल में वर्ग 8 से 12वीं तक की प्रत्येक स्कूलों छात्रा को कक्षा आठ में 2,500, नौवीं में 2,500, 10वीं में 5,000, ग्यारहवीं में 5,000 और बारहवीं में 5,000 रुपये की सहायता उनके बैंक खाते में दी जाती है। जब किशोरी की उम्र 18 होने और उसका मतदाता पहचान पत्र बन जाये तो उसे एकमुश्त 20,000 रुपये दिया जाता है, ताकि छात्राएं उन रूपयों से आगे की पढ़ाई या कोई प्रशिक्षण ले कर स्वावलंबी बन सकें।

महिलाओं को मिल रहा सम्मान

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना (JMMSY) हेमन्त सरकार का आधी आबादी के आत्मसम्मान को बढ़ावा देने के लिए एक कारगर कदम है जिसमें 18 से 50 वर्ष की महिलाओं को उनके रोजमर्रा की जरूरत को ध्यान में रखते हुए ₹2500 प्रतिमाह की आर्थिक सम्मान राशी दी जा रही है। योजना ने ग्रामीण इलाके के वित्तीय ढांचे को खूब मजबूती दी है। सरकार के इस सम्मान राशि का उपयोग ग्रामीण परिवेश के छोटे व्यवसाय के लेनदेन में खूब हो रहा है। इस योजना के लिए अगस्त 2024 में पूरे राज्य में कैश लगाकर आवेदन लेने का कार्य किया गया था। आवेदन फॉर्म और प्रक्रिया निःशुल्क थी। योजना से राज्य की बहन-बेटियाँ स्वावलंबी और सशक्त बन रही हैं। झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना के लिए 2025-26 में ₹13 हजार 363 करोड़ 35 लाख का बजट रखा गया है।

यह सुखद अनुभव है कि मेरी लाखों बहनों को मंईया सम्मान योजना का सम्मान मिल रहा है। इस सम्मान के लिए यह भाई हमेशा आपके साथ है।



महिलाओं के लिए स्वरोजगार के द्वार खुले

स्वयं सहायता समूहों को पलाश ब्रांड से जोड़कर उनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं की ब्रांडिंग ने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए रोजगार के द्वार खोल दिये हैं। कोविड काल में विश्वव्यापी आर्थिक संकट का असर झारखण्ड पर भी पड़ा था लेकिन अब हालात सुधर रहे हैं जिसका जीता जगता उदाहरण पलाश ब्रांड है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के दिशा निर्देश पर क्रियान्वित किये जा रहे सफल प्रयास पलाश ब्रांडिंग एवं विपणन रणनीति के माध्यम से अब तक 50 विभिन्न प्रकार के उत्पादों को खुले बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध

कराया जा रहा है। लगभग चार वर्ष से कम अवधि में लगभग 40 करोड़ से अधिक रुपए की सकल बिक्री की जा चुकी है। पलाश ब्रांड में अपने कृषि उत्पादों की आपूर्ति तथा अन्य प्रसंस्करण, पैकेजिंग एवं बिक्री के कार्यों से अब तक राज्य के स्वयं सहायता समूहों की दो लाख से अधिक ग्रामीण महिलाएं जुड़ कर अपने आय में वृद्धि कर रही हैं तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करते हुए इसे मुख्यधारा से जोड़ रही हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों की पहचान बन चुकी पलाश ब्रांड को विशुद्ध व्यवसायिक पहिचान हेतु 'पलाश

इंटरप्राइजेस कंपनी' का गठन किया जा रहा है। इस पूरी योजना का मूल ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तेजी लाने का लक्ष्य है। इन योजनाओं से झारखण्ड की लाखों महिलाओं को लाभ मिल रहा है पिछले 5 सालों में कोरोना काल के बावजूद महिलाएं आर्थिक मामलों में काफी समृद्ध हुई हैं।

महिला सशक्तिकरण को दिया जा रहा नया आयाम

10 गुना क्रेडिट लिंकेज कित साढ़े चार वर्ष में ग्रामीण महिलाओं के उत्थान और उनके आर्थिक स्वावलंबन के प्रति संवेदनशील मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के विजनरी सोच का परिणाम है कि 2019 से पूर्व 09 वर्ष में सखी मंडल को जितना क्रेडिट लिंकेज दिया गया, उसका 10 गुना क्रेडिट लिंकेज विगत साढ़े चार वर्ष में मिला। यही नहीं सखी मंडल की संख्या में भी बहुतेरी दर्ज की गई है। वर्ष 2013 से 2019 तक एसएचजी को क्रेडिट लिंकेज के तहत 1,114 करोड़ की राशि दी गई, जबकि 2019 के बाद 30 जून 2024 तक 10,111 करोड़ की राशि सखी मंडल की महिलाओं को उनके सशक्तिकरण हेतु दी गई। वहीं 2013 से 2019 तक 2.45 लाख सखी मंडल की संख्या बढ़कर 30 जून 2024 तक 2.88 लाख हो गई। ग्रामीण महिलाएं और अर्थव्यवस्था सशक्त हों, इसके लिए कृषि, पशुपालन, वनोपज, अंडा उत्पादन, जैविक खेती आधारित आजीविका से ग्रामीण परिवारों को आछादित किया जा रहा है। राज्य संपोषित झारखण्ड माइक्रोडिप इंटरिगेशन परियोजना के तहत करीब 31,861 किसानों को टपक सिंचाई तकनीक से जोड़ कर उन्नत खेती की जा रही है। इस परियोजना के तहत 30 हजार महिला किसानों को जोड़ने का लक्ष्य है।

फूलो झानो आशीर्वाद अभियान फूलो झानो आशीर्वाद अभियान की शुरुआत वर्ष 2020 में की गई है, इस अभियान का उद्देश्य महिलाएं जो मजबूरीवश दारु-हड्डिया की बिक्री और निर्माण कार्य से जुड़ी थीं, उन्हें आजीविका के सम्मानजनक साधनों से जोड़ना था। इस कार्य में राज्य सरकार को सफलता मिली। इस अभियान से जुड़कर महिलाओं ने सम्मान जनक आजीविका को अपनाया।

अभियान से 36 हजार से अधिक महिलाएं वैकल्पिक आजीविका से अपना जीवन यापन कर रही हैं। हमारी सरकार महिलाओं को वैकल्पिक रोजगार के लिए 50 हजार रुपए तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध करा रही है।

PRNO 348113 (IPRD) 24-25

भारत सरकार द्वारा समाज कल्याण मंत्रालय को 1.18% का बजट आबंटित किया गया

झारखण्ड महिला एवं बाल विकास के लिए कुल बजट का व्यय करेगा **14%**

एवं अन्य राज्यों का आबंटित बजट

उड़ीसा	बिहार	पश्चिम बंगाल	छत्तीसगढ़
6.20%	2.77%	2.31%	1.06%

झारखण्ड ने बजट में आधी आबादी का रखा ध्यान

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना **₹13,363 करोड़** | सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना/मुख्यमंत्री कन्यादान योजना **₹310 करोड़**

मातृ किट वितरण योजना **₹60 करोड़**

गर्भवती महिला की देखभाल के लिए **₹60 करोड़**

पलाश मार्ट **₹30 करोड़**





फुसरो के मस्जिदों में रमजान के पहले जुमे की नमाज रोजेदारों ने अदा की

बेरमो। फुसरो नगर परिषद क्षेत्र के सभी मस्जिदों में शुक्रवार को रमजान के पहले जुमे की नमाज रोजेदारों ने अदा की। जौहर की आजना के बाद नमाज पढ़ने के लिए मस्जिदों में नमाजियों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। बड़े-बुजुर्गों के साथ युवाओं व बच्चों ने भी जमात के साथ नमाज अदा किया। फुसरो नगर के पुराना बीडीओ आफिस, रहिमांज, भेड़मुक्का, राजबेड़ा, दोरी स्टाफ क्वार्टर, घुटियाटांड, पिछरी आदि मस्जिदों में नमाज अदा किया गया। पुराना बीडीओ ऑफिस स्थित जमा मस्जिद में हाफिज कारी सादिक हुसैन ने जुमे की नमाज पढ़ाया। इससे पूर्व उन्होंने रमजान की फजीलत बयान करते हुए कहा कि रमजानुल मुबारक का महीना मुसलमानों के लिए सबसे अफजल महीना माना गया है। यह महीना भाईचारे और इंसानियत का पैगाम भी देता है। कहा कि जबरदस्त उमस और धूम में भी रोजेदार रोजा रख रहे हैं। इससे बेशक अल्लाह तआला अपने बंदों से राजी होगा। कहा कि इस माह में अल्लाह एक नेक काम के बदले अपने बंदों को 70 नेकी का सवाब देता है। कहा कि रमजान का रोजा हर बालिक औरत, मर्द व युवाओं पर फर्ज है। कहा कि मुसलमान फितर व जकात भी अदा करें। कहा कि रोजे की हालत में मांगी गई दुआ कभी खाली नहीं जाता है।

8 मार्च को आयोजित होगा राष्ट्रीय लोक अदालत

बेरमो /तेनुघाट कोर्ट। माननीय सर्वोच्च न्यायालय, झारखंड उच्च न्यायालय एवं प्रधान जिला जज सह सत्र न्यायाधीश बोकारो के निदेशानुसार शनिवार 8 मार्च को तेनुघाट व्यवहार न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत लगाया जाएगा। आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल निष्पादन के लिए 3 बेंच का गठन किया गया है। इसकी पहले बेंच पर जिला जज द्वितीय सूर्य मणि त्रिपाठी एवं अधिकाता विनोद कुमार गुप्ता, दूसरे बेंच पर एसडीजेएम रश्मि अग्रवाल एवं अधिवक्ता प्रशांत पाल तथा तीसरे बेंच पर मुंसिफ शिवराज मिश्रा एवं अधिवक्ता गिरिवर कुमार महतो मौजूद रहेंगे। उक्त जानकारी अनुमंडल विधिक सेवा पदाधिकारी समिति के सचिव सह तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के एसडीजेएम अग्रवाल ने बताया कि यहां आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अब तक कई मामलों का निष्पादन किया गया है।

महिला दिवस पर महिला कन्वेंशन आज गुमला। झारखंड नवनिर्माण दल की महिला मोर्चा महिला मंडल सहयोग संचालन समिति की केंद्रीय स्तर के चुनिंदे महिलाओं को लेकर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2025 को दिन के 11 बजे से गुमला में महिला कन्वेंशन आयोजित की जाएगी। कर्नलेशन में महिला उद्घीड़न, डायन बिसाही के आरोप में हिंसा, पलायन व मानव तस्करी के खिलाफ तथा नशाबंदी, रोजगार, महिला मंडल को दिया गया सभी तरह की लोन माफ करने, स्वरोजगार व व्यवसाय के लिए अनुदान व पूंजी देने जैसे ज्वलंत मुद्दों पर विचार विमर्श की जाएगी। कार्यक्रम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम तथा सांगठनिक विस्तार व मजबूती के अलावे आगामी भावी रणनीति भी तय की जाएगी। कन्वेंशन में मुख्य रूप से झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह भाग लेंगे।

भंडरिया में किसान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन भंडरिया। पंचायत भवन प्रांगण में शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय किसान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस मेला में विभिन्न गांव के किसान अपना उत्पाद लेकर स्टॉल में पहुंचे थे। प्रदर्शनी में शामिल पदाधिकारी ने स्टॉल में लगे किसानों की उत्पाद का निरीक्षण किया। जिसके बाद चयनित किसानों को पुरस्कृत किया गया। मौके पर परियोजना निदेशक आत्मा योगेन्द्र सिंह ने कहा कि किसान अच्छे बीज लगाकर अपना उत्पादन बढ़ाने का काम करें। अच्छ उर्वरक का इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि अच्छी किस्म के बीज लगाने से उनका उपज बढ़ेगी।

नेतृत्व क्षमता विकसित करने हेतु प्रशिक्षण आयोजित

बोकारो/कसमार। लड़कियों का नेतृत्व क्षमता विकास के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण का आयोजन सहयोगिनी द्वारा कसमार के खैराचातर पंचायत भवन में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंचायत के मुखिया विजय कुमार जायसवाल ने कहा कि लड़कियों को सरकारी योजना से जोड़ना हम सभी स्टेकहोल्डर की जिम्मेदारी है। किशोरियों के पास जानकारी का अभाव होने के कारण जीवन में आगे नहीं बढ़ पा रही है। सहयोगिनी द्वारा दिया जा रहा लाइफ स्किल प्रशिक्षण से उन्हें जीने के तरीको की जानकारी मिल रही है। प्रशिक्षक प्रेम कुमार महतो ने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से लड़कियां भविष्य में सफलता प्राप्त कर सकती है। सहयोगिनी समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि कसमार प्रखंड के 7 पंचायत के 30 गांव में किशोरी क्लब बनाकर उनके नेतृत्व क्षमता विकसित करने का कार्य किया जा रहा है।

एसडीपीओ ने थाना प्रभारी के साथ बैठक कर दिए दिशा निर्देश



खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। आज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अशोक प्रियदर्शी ने अपने कार्यालय में गोड्डा अनुमंडल अंतर्गत सभी थानों के थाना प्रभारियों और पुलिस निरीक्षकों के साथ की मासिक अपराध समीक्षा

मदरसा दावतुल कुरआन में दावते इफ्तार का आयोजन बेरमो। बेरमो प्रखण्ड के कुरपनिया पानी टंकी एरिया स्थित मदरसा दावतुल कुरआन मे रमजान के पहले जुमे के दिन सामुहिक रुप से भव्य दावते इफ्तार का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में रोजेदार शामिल हुए। बताया चलू कि इस आयोजन की तैयारी सुबहे से ही चल रही थी और इस आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय युवाओं के अलावे कमेटी के लोग और मदरसा के मोदरीस खास भूमिका मे नजर आये। ऐसे मोहक दृश्य रमजान जैसे मौके पर ही देखने को मिलते हैं। वहीं अभी रमजान लगभग 24 दिनों तक और चलनी है ऐसे में इस तरह के नजारे अनेको बार देखने को मिलते रहेंगे।

अवैध निर्माण सहित कई आवास कराए गए कब्जामुक्त



खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। सम्पदा न्यायालय बोकारो द्वारा 3 मार्च को अनधिकृत कब्जे वाले आवासों को मजिस्ट्रेट धनंजय कुमार गिरी व पुलिस बल और बीएसएल सुरक्षा विभाग की टीम की उपस्थिति में खाली कराने का अभियान चलाया गया जिसके तहत सेक्टर 4जी का डी टाइप आवास संख्या 4071, सेक्टर 9 बी का डी टाइप आवास संख्या 618 एवं 626 सेक्टर 9 बी का ई टाइप आवास संख्या 678, 1165,1166,1179, 1180 व 1239 तथा सेक्टर 1

झारखंड-बिहार से एकमात्र डीपीएस बोकारो का आयुष आईएनएमओ में सफल

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। डीपीएस बोकारो में 10वीं कक्षा के मेधावी छात्र आयुष लच्छीरामका ने होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन द्वारा नेशनल बोर्ड ऑफ हायर मैथमेटिक्स के तत्वावधान में आयोजित इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलंपियाड में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की है। साथ ही चास-बोकारो के प्रसिद्ध चार्टर्ड एकाउंटेंट दंपति अमोल लच्छीरामका और रूबी लच्छीरामका का होनहार पुत्र आयुष आगामी 08-31 मई 2025 को चेन्नई में होने वाले आईएमओटीसी के लिए भी क्वालीफाई कर चुका है। उसे 11 मार्च 2025 को आयोजित एपीएमओ के लिए भी चयनित किया गया है। पूरे झारखंड-बिहार से यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करनेवाला आयुष एकमात्र



विद्यार्थी है। आईएमओटीसी के लिए पूरे भारतवर्ष से 69 तथा एपीएमओ के लिए कुल 67 छात्र-छात्राएं सहित पूरे विद्यालय परिवार के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। आईएनएमओ में ए कैटेगरी और जूनियर बैच के प्रतिभागी आयुष लच्छीरामका ने अपने कट ऑफ मार्क्स 31 से भी अधिक कुल 41 अंक प्राप्त किए हैं।

चैनपुर पुलिस ने चलाया वाहन जांच अभियान

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड मुख्यालय में थाना प्रभारी कुन्दन चौधरी के नेतृत्व में प्रेमनगर और बस स्टैंड के समीप एक विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा को सुनिश्चित करना और यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई करना था। अभियान के दौरान पुलिस ने छह वाहनों के चालकों का चालान काटा। इन चालकों में से कई बिना हेल्मेट के बाइक चला रहे थे, जबकि कुछ ड्रिंक एंड ड्राइव के मामले में पकड़े गए। थाना प्रभारी कुन्दन चौधरी ने बताया कि यह अभियान पुलिस अधीक्षक गुमला शंभू कुमार सिंह के निर्देश पर चलाया गया। अभियान के दौरान कई चालकों ने चेकिंग टीम को देखकर वहां से भागने की कोशिश की। लेकिन पुलिस ने सख्ती से नियमों का पालन कराने का निर्णय लिया। कुन्दन चौधरी ने बताया कि ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे ताकि सड़क पर सुरक्षा को बढ़ावा दिया जा सके और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा सके।

बीएसएल में विविध कार्यक्रमों का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम-एक्सिलरेट एक्शन की पृष्ठभूमि में बीएसएल में कार्यरत महिला कर्मियों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन लगातार जारी है। इसी क्रम में बोकारो स्टील प्लांट में महिला समिति संचालित स्वावलंबन केन्द्र में कार्यरत महिला कर्मियों के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन किया तथा ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में महिलाओं के अधिकारों के विषय पर आकांक्षा नामक एक टॉक शो का आयोजन किया गया। सुडोकू-गोलमाल है तथा खेलकूद एवं उड़ान जैसे प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सुडोकू प्रतियोगिता प्रतिभागियों के संख्यात्मक और तार्किक कौशल पर आधारित थी तथा गोलमाल है प्रतियोगिता रोचक



और हल्की-फुल्की गतिविधियों व खेलों के माध्यम से अंतर-टीम संचार और एकजुटता को बढ़ावा देने का एक प्रयास था।

गोलमाल है प्रतियोगिता में चित्रा पराशर प्रीति कुमारी तथा प्रेरणा कुमारी की टीम को प्रथम एवं आभा कुमारी स्नेहलता तथा सुश्री संगीता धर की टीम को द्वितीय स्थान तथा आरुषी कुमारी भवानी हांसदा तथा शालिनी प्रसाद की टीम को तृतीय

दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो में एथिक्स एंड इंटीग्रीटी विषय पर दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। इस विषय का मुख्य उद्देश्य था नैतिकता के प्रयोग द्वारा विद्यालय के छात्रों को एक-दूसरे के साथ अच्छा व्यवहार द्वारा मदद करना तथा विशिष्ट तरीके से एकजुट करना। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी प्राचार्य सह रिसोर्स पर्सन सूरज शर्मा शिव शंकर यादव प्राचार्य-बीआईएसएसएस सेक्टर-11 डी सह रिसोर्स पर्सन एवं उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार ने किया। कार्यक्रम में कुल 52 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम की प्रस्तुति रिसोर्स पर्सन प्राचार्य सूरज शर्मा एवं प्राचार्य शिव शंकर यादव के द्वारा की गई। मौके पर प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं- हम अपने व्यवहार और कार्यशैली से उनके जीवन पर अमिट छाप छोड़ते हैं।

जागरूकता शिविर संपन्न



खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो/चंद्रपुरा। डीवीसी चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के अस्पताल प्रबंधन द्वारा महिलाओं को कैंसर से बचाव के लिए आयोजित जागरूकता शिविर संपन्न हो गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व संध्या के अवसर पर शिविर में वरिष्ठ महाप्रबंधक अविजीत घोष ने कहा कि महिलाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पुरुष को चलना चाहिए। उनकी सफलता में ही पुरुषों व समाज और देश की सफलता निहित है। उन्होंने कहा कि आदिकाल में भी समाज कल्याण में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। वर्तमान समय में भी हम महिलाओं से अलग हटकर

समाज का निर्माण के बारे में सोच भी नहीं सकते। श्री घोष ने कहा कि महिलाएं हमेशा पूजनीय रही है इसलिए हम सभी का दायित्व बनता है कि हम सभी मिलकर उनका आदर करें।

मौके पर अशर्मा अस्पताल के डॉ विप्लव मिश्रा और डॉ रमेश कुमार ने महिलाओं को होने वाले स्तन कैंसर सहित अन्य तरह के कैंसर जैसे गंभीर बीमारी से अवगत कराया और कहा कि हर महिलाओं को 45 साल से अधिक उम्र होने पर कैंसर संबंधित बीमारी की जांच कराते रहना चाहिए। इस अवसर पर डॉ पीके घोष विनोद कुमार राय कंचन स्मिता टोप्यो डॉ अंजनी तिग्गा आदि ने भी समारोह को संबोधित किया।

खबर

एक नजर में

ऑल इंडिया थियेटर काउंसिल की दो दिवसीय अधिवेशन का समापन

बेरमो /तेनुघाट कोर्ट। रविन्द्र नाथ टेंगोर की कर्मभूमि शांति निकेतन में ऑल इंडिया थियेटर काउन्सिल के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का समापन हुआ। इस अधिवेशन में एम भी आर न्यायिकल ग्रुप के संतानि निदेशक मुकेश कुमार सिन्हा, की-बोर्ड प्लेयर ऋषभ देव सिन्हा एवं ऑक्टा पैड प्लेयर विनीत कुमार को ए आई टी सी के 'जनगीत' के संगीत निर्देशन के लिए प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। बोलपुर शांतिनिकेतन' में पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र कोलकाता के द्वारा निर्मित सृजनी शिल्पग्राम के मंच पर देश के सत्रह राज्यों से आए रंगकर्मीयों का कला मंचन एवं विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

सीआईएसएफ ने की अवैध कोयला के खिलाफ छापेमारी

बेरमो। सीसीएल दोरी के महाप्रबंधक के आदेशानुसार, क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी सुरेश कुमार सिंह के नेतृत्व अमलो रेलवे साइडिंग के इंजन साइड से अवैध कोयला की छापेमारी की गयी। छापेमारी मे, 38.205 टन कच्चा कोयला जब््त किया गया, जिसे जेसीबी से ट्रैक्टर मे लोड करके अमलो रेलवे साइडिंग के फ़ेशर मे अनलोडिंग किया गया ' छापेमारी मे बेरमो थाना एवं सीआईएसएफ इ कम्पनी इंचांज ए के सिंह इंस्पेक्टर क्राइम से महिपाल सिंह राठौड़,एवं आर. के वर्मा इंटरबल मंजुला कुमारी, हवलदार, अनु कुमारी सीसीएल एरिया सुरक्षा इंचांज, शिलाचंद हवलदार, अनाम वारिश, मानिक दिगार, मुकेश कुमार शर्मा आदि शामिल थे।

हत्या के आरोपी को न्यायालय ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

बेरमो /तेनुघाट कोर्ट। तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के जिला जज प्रथम अनिल कुमार ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिला अंतर्गत मोरार निवासी दीपेंद्र यादव एवं मध्य प्रदेश के मुरैना जिला अंतर्गत घोस गांवा निवासी राजदीप सिंह को हत्या मामले सिद्ध दोषी पाने के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सजा सुनाई जाने के बाद अभियुक्त दीपेंद्र यादव और राजदीप सिंह को तेनुघाट जेल भेज दिया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक विजय कुमार साहू ने बहस किया।

कूप में गिरा गिट्टी लदा 407 मालवाहक वाहन, बाल-बाल बचा चालक

बेरमो। बोकारो जिला के कसमार थाना क्षेत्र के रांगामाटी गांव में 6 मार्च को एक गिट्टी लदा 407 मालवाहक वाहन कुएं में गिर गया। उक्त घटना में वाहन चालक बाल-बाल बच गया। स्थानीय निवासियों के अनुसार कुएं के सामने सड़क पर पीसीसी डलवाई का कार्य चल रहा था। जिसके ? कारण मंजुरा की तरफ से आ रहा वाहन पीछे मोडकर डायवर्सन से होकर पार करवा चला रहा था। पीछे मोड़ने के क्रम में वाहन का पिछले हिस्से का दोनों चक्का कुएं में आ गया। जिससे गिट्टी भरा वाहन पक़ी की ओर से कुएं में गिर गया। हालाँकि कुएं में ज्यादा पानी नहीं था। कूप में गिरने के साथ ही वाहन चालक सामने का ग्लास तोड़कर बाहर निकल आया। बताया जाता है कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन में सिर्फ चालक ही था। बता दें कि, ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल बोकारो के 25 कसमार प्रखंड में मंजुरा कॉलेज मोड़ से रांगामाटी तक पथ का मजबूती एवं मरम्मतीकरण कार्य किया जा रहा है। इस क्रम में रांगामाटी में पीसीसी डलवाई किया जा रहा है। जिसके कारण छोटे-बड़े सभी वाहन डायवर्सन से होकर पार हो रहे हैं। जिससे दुर्घटना की संभावना को बल मिल रहा है।

नक्सल प्रभावित गांव को नहीं मिल रहा नक्सल विशेष पैकेज योजना का लाभ

बेरमो। बोकारो जिला के नावाडीह प्रखंड के नक्सल प्रभावित क्षेत्र पोखरिया पंचायत के कई ऐसे गांव है जहाँ नक्सल विशेष पैकेज योजना का लाभ नही मिल पाया है। जबकि नक्सल क्षेत्र से प्रभावित पंचायत को समुचित विकास कर भटके ग्रामिणों को मुख्यधारा में वापस करना योजना का मुख्य कार्य था। बताया जाता है कि 25 लाख का इसीमा नक्सली अनमोल द का गांव पोखरिया पंचायत के जरवा-इटवाबेड़ा सहित डेगागढ़ा से माकन चचरिया, कडरूखुटा से पोखरिया पंचायत को जोड़ने वाली कच्ची पथ आज भी जस की तस है। यहां आवागमन में स्थानीय ग्रामिणों को काफी परेशानीयों का सामना करना पर रहा है। बताते चले कि आईएन परिकल्पना योजना आयोग द्वारा की गई थी। इसे केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा नक्सल प्रभावित जिलों में बुनियादी ढांचे की कमी को पूरा करने के लिए लागू करना था। इस योजना ने छोटी परियोजनाओं के लिए प्रत्येक जिले को वित्तीय वर्ष 2010-11 में 25 करोड़ रुपये और 2011-12 में 30 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था, लेकिन इन रकमों कि छाया तक प्रभावित गांव को नहीं लगा। आज भी नक्सल प्रभावित गांव विकास की बाट जोहने पर मजबूर है।

कल्याणी में यूकोवयू दोरी एरिया का सम्मेलन संपन्न

बेरमो। यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन की दोरी एरिया का एक दिवसीय सम्मेलन शुक्रवार को कल्याणी स्थित यूनियन कार्यालय मे संपन्न हुई। सम्मेलन का शुभारंभ जेबीसीसीआई सदस्य लखनलाल महतो, वरिष्ठ नेता सी एस झा व सुजीत कुमार घोष के द्वारा इंडोतेलोन करती किया गया। सम्मेलन के अध्यक्ष मंडली में जितेंद्र दवे, जवाहरलाल यादव और भीम महतो आदि ने संचालन किया। सम्मेलन के दौरान दोरी क्षेत्र के सचिव भीम महतो ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रतिवेदन को सर्वसम्मति से सदन द्वारा पास किया गया। तत्पश्चात दोरी एरिया का पुनर्गठन किया गया। जिसमें 31 सदस्यीय नवनिर्वाचित सदस्यों का चयन किया गया। जिसमें अध्यक्ष जितेंद्र दवे, कार्यकारी अध्यक्ष जवाहरलाल यादव, उपाध्यक्ष बटुल महतो, रविंद्र गिरि व शंकर ठाकुर, सचिव भीम महतो सह सचिव सीताराम घोबी,शिव नारायण व राजू महतो, संगठन सचिव राजेंद्र रविदार, सह संगठन सचिव रामचंद्र मांझी, कोषाध्यक्ष गणेश महतो व राम नारायण महतो सहित 31 कार्यकारणी सदस्य बनाये गए। जेबीसीसीआई सदस्य और एटक उपाध्यक्ष लखन लाल महतो ने यूनियन की सदस्य संख्या बढ़ाने पर बल दिया गया। साथ ही कहा गया कि जिस क्षेत्र का सदस्य शुल्क जमा हो गया है या बकाया है वे मार्च माह तक जमा कर दें।

राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन सामाजिक सुरक्षा कवच : दिलीप

बेरमो। राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन का होली मिलन समारोह शुक्रवार को फुसरो स्थित डा राजेंद्र प्रसाद स्मृति भवन में मनाया गया। महासंगठन के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष दिलीप नीलेश, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय कुमार साहू, प्रदेश सचिव भुवनेश्वर साव व प्रदेश महामंत्री रमेश प्रसाद नायक शिरकत किए। बेरमो के फुसरो निवासी समाजसेवी अनिल गुप्ता को लंबे समय से सामाजिक समर्पण को देखते हुए बोकारो जिलाध्यक्ष बनाया गया। जबकि बोकारो निवासी गोपाल साव को युवा प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष बनाया गया। वहीं महिला प्रकोष्ठ का गठन अप्रैल तक करने का कहा गया। यह कार्यकाल 2027 तक के लिए है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष साहू मुरारी गुप्ता की अगुवाई में देश के 28 प्रदेशों व 9 केंद्र शासित प्रदेशों में महासंगठन को मजबूत किया जा रहा है। 14 करोड़ आबादी के बराबर हिस्सेदारी की मांग है। वहीं झारखंड में 51 सदस्यीय समिति बनायी जा रही है। हर जिले से 2 लोग शामिल किए जा रहे हैं। बोकारो जिले से प्रदेश सचिव भुवनेश्वर साव व प्रदेश महामंत्री रमेश प्रसाद नायक रखे गए हैं। साथ ही झारखंड के सभी 24 जिलों में महासंगठन के हर प्रकोष्ठ का गठन किया जा रहा है।



मरीजों की मजबूरी

अस्पताल की फामेसीं या खास मेडिकल स्टोरों से दवाइयां खरीदना तमारदारों की मजबूरी बन जाती है। उन्हें खास ब्रांड की दवा व उपकरण खरीदने के निर्देश होते हैं। दरअसल, खुले बाजार में उनकी उपलब्धता और गुणवत्ता को लेकर आशंका होती है। असल में, यह नीति-निर्यताओं की जवाबदेही है कि वे मरीजों और उनके परिवारों को शोषण से बचाने के लिये दिशा-निर्देश तैयार करें। हालांकि, यह इतना भी आसान नहीं है क्योंकि विभिन्न हितधारकों के दबाव अकसर सामने आते हैं। जैसा कि वर्ष 2023 में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को उस समय कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था जब उसने डॉक्टरों से कहा था कि वे ब्रांडेड दवाएं न लिखें। उसके स्थान पर जेनेरिक दवाएं लिखें, ऐसा न करने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा बिरादरी ने तब दबाव बनाते हुए कहा था कि दवाओं की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। जिसके बाद यह आदेश जल्दी ही वापस लेना पड़ा था। इसके अलावा ब्रांडेड दवाओं के निमाताओं ने भी दबाव बनाया था, जो कि जन-कल्याण के बजाय बड़े पैमाने पर मुनाफे को प्राथमिकता देते रहते हैं। वैसे निजी अस्पतालों द्वारा दवाओं के जरिये पैसा कमाने की वजह यह भी है कि सरकारी जन-औषधि केंद्रों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है। ये केंद्र, जिनकी देश में संख्या पंद्रह हजार के करीब है, देश के सभी जिलों को कवर करते हैं। ये केंद्र नागरिकों को सस्ती कीमत पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के लिये बनाये गए थे। लेकिन, ये केंद्र दवाओं की कमी,गुणवत्ता के नियंत्रण के अभाव और ब्रांडेड दवाओं की अनधिकृत बिक्री की समस्याओं से ग्रसित रहे हैं। देश में यह एक बड़ा मामला है जिसमें हर परिवार की जेब हल्की हो रही है और केन्द्र- राज्यों की सरकार का नियंत्रण कमजोर है।



मेष : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहासुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। पुराने मित्र मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

वृष : अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बन्धे हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन : आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क : उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-1-3-5

सिंह : यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अत्य लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-8

कन्या : घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्या्याधिव्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

तुला : संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक : अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

धनु : कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-1-4-8

मकर : आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-3-5-7

कुंभ : बुद्धितत्व की सक्रियता से अत्य लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्या्याधिव्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-1-4-6

मीन : व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा सी लापरवाही आपको पेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्य्था व संतान के कारण पेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा, इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पुरानी गलती का पश्‍चाताप होगा। शुभांक-2-4-6

बलात्कार और हिंसा पर कब टूटेगी समाज की चुप्पी?

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (08 मार्च) पर विशेष
दुनियाभर में प्रतिवर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है, जो सही मायनों में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने वाला एक वैश्विक दिवस है। यह दिन लैंगिक समानता में तेजी लाने के लिए कार्रवाई के आह्वान का भी प्रतीक है। हालांकि चिंता का विषय यही है कि जिस आधी दुनिया के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है, उसी आधी दुनिया को जीवन के हर मोड़ पर भेदभाव या अपराधों का सामना करना पड़ता है। यदि इसे भारत के ही संदर्भ में देखें तो शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता हो, जब ह्‍आधी दुनियाह्‍ह से जुड़े अपराधों के मामले देश के कोने-कोने से सामने न आते हों। होता सिर्फ यही है कि जब भी कोई बड़ा मामला सामने आता है तो हम सिर्फ पुलिस-प्रशासन को कोसने और संसद से लेकर सड़क तक कैंडल मार्च निकालने या अन्य किसी प्रकार से विरोध प्रदर्शन करने की रस्म अदायगी करके शांत हो जाते हैं और पुन: तभी जागते हैं, जब ऐसा ही कोई बड़ा मामला पुन: सुर्खियां बनता है, अन्यथा ऐसी छोटी-मोटी घटनाएं तो आए दिन होती ही रहती हैं।

देश में कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर बीते कुछ वर्षों में कई तरह के कदम उठाने और समाज में ह्‍आधी दुनियाह्‍ह के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों या छेड़छाड़ अथवा क्रूरता, ह्‍आधी दुनियाह्‍ह के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है ? इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर वो कड़ी कार्रवाई नहीं हो रही है, जिसके वो हकदार हैं और इसके अभाव में हम ऐसे अपराधियों के मन में भय पैदा करने में असफल हो रहे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि महज कानून कड़े कर देने से ही महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध थमने से रहे, जब तक उनका ईमानदारीपूर्वक कड़ाई से पालन न

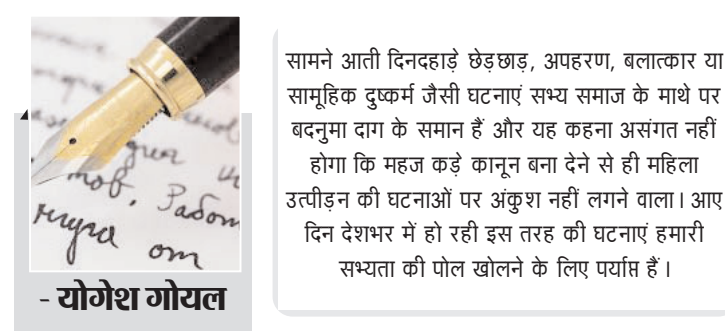


प्रतिभा कुशवाहा

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च को मनाया जाता है। यह दिवस महिलाओं के अधिकारों, उनकी समानता, स्वतंत्रता और उनकी सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृति और राजनीतिक उपलब्धियों को पहचानने के लिये जाना जाता है। आज इसका इतिहास कोई सवा सौ वर्ष पुराना हो चुका है। विश्व के लगभग सभी देशों में यह खास दिन लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने साथ महिलाओं सहित पुरुषों के सहयोग और उनमें संवेदनशीलता जगाने का माध्यम भी बनता है। एक प्रमुख नाम कलारा जेटकिन (1857-1933) का आता है जिनके प्रयासों से यह दिवस आज हम सब मना पा रहे हैं। वे एक जर्मन समाजवादी, नारीवादी और राजनीतिक कार्यकर्ता थीं, जिन्होंने महिला अधिकारों, श्रमिक आंदोलन और समाजवाद के लिए रूप में हमला होने के लिये महिला को शारीरिक रूप से स्पर्श करना आवश्यक नहीं है। केवल शब्दों से हमला नहीं माना जाता, बल्कि एक व्यक्ति द्वारा प्रयुक्त शब्द उसके हाव-भाव या तैयारी को ऐसा अर्थ दे सकते हैं, यदि की लड़की की मृत्यु उसके विवाह की 7 वर्ष के भीतर होती है और मृत्यु से पहले उसे उसके पति या नातेदारों की द्वारा दहेज मांगा गया हो शारीरिक चोट या मानसिक स्वास्थ्य पर जोर दिया गया हो तो इसका सीधा असर उसके पति और नातेदारों पर होता है घरेलू हिंसा को प्रमुखता 3 श्रेणियों में बटा गया है। **मानसिक प्रताड़ना- मौखिक प्रताड़ना** शारीरिक तौर पर जब प्रताड़ित किया जाए यहीं महिला को पति या उसके नातेदारों द्वारा मारा जाए या पीटा जाए याशारीरिक दुर्व्यवहार, उदाहरणार्थ गला दबाना, पिटाई करना, धक्का देना तथा हानि पहुंचाने की धमकी देना। यौन हिंसा की कार्यवाहियां, जबरदस्ती यौन संपर्क बनाना या किसी को ऐसी यौन क्रियायें करने के लिये बाध्य करना जो वे करना नहीं चाहते। भावनात्मक दुर्व्यवहार, गाली देना और नीचा दिखाना, असम्मानपूर्ण व्यवहार। शारीर पर किसी भी प्रकार से प्रहार किया



किया जाए। ऐसे मामलों में पुलिस-प्रशासन की भूमिका भी अनेक अवसरों पर संदिग्ध रहती है। पुलिस किस प्रकार ऐसे अनेक मामलों में पीड़िताओं



को ही परेशान करके उनके जले पर नमक छिड़कने का कार्य करती है, ऐसे उदाहरण अक्सर सामने आते रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों के मद्देनजर अपराधियों के मन में पुलिस और कानून का भय कैसे उत्पन्न होगा और कैसे महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों में कमी की उम्मीद की जाए? जरूरत इस बात की महसूस की जाने लगी है कि पुलिस को लैंगिक दृष्टि से संवेदनशील बनाया जाए ताकि पुलिस पीड़ित पक्ष को पर्याप्त सबल प्रदान करे और पीडिताएं अपराधियों के खिलाफ खुलकर खड़ा होने की हिम्मत जुटा सकें, साथ ही जांच एजेंसियों और न्यायिक तंत्र से भी ऐसे मामलों में तत्परता से कार्रवाई की अपेक्षा की जानी चाहिए। ऐसी घटनाओं पर अंकुश

सामने आती दिनदहाड़े छेड़छाड़, अपहरण, बलात्कार या सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटनाएं सभ्य समाज के माथे पर बदनुमा दाग के समान हैं और यह कहना असंगत नहीं होगा कि महज कड़े कानून बना देने से ही महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगने वाला। आए दिन देशभर में हो रही इस तरह की घटनाएं हमारी सभ्यता की पोत खोलने के लिए पर्याप्त हैं।

क्षेत्र में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों के मामलों में कानून का अनुपालन सुनिश्चित नहीं हुआ तो उन पर सख्त कार्रवाई की जाए। सामने आती दिनदहाड़े छेड़छाड़, अपहरण, बलात्कार या सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटनाएं सभ्य समाज के माथे पर बदनुमा दाग के समान हैं और यह कहना असंगत नहीं होगा कि महज कड़े कानून बना देने से ही महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगने वाला। आए दिन देशभर में हो रही इस तरह की घटनाएं हमारी सभ्यता की पोत खोलने के लिए पर्याप्त हैं। इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि बलात्कार और छेड़छाड़ के जो मामले सामने आ रहे हैं, उनमें बहुत से ऐसे भी होते हैं, जिनमें पीड़िता

क्लारा जेटकिन: महिला अधिकारों की प्रखर नेता



महिला अधिकारों को आवाज उठाती रही। इसका परिणाम यह रहा कि उन्हें 1889 में महिलाओं से जुड़े सवालों पर दूसरी इंटरनेशनल कांग्रेस को संबोधित करने के लिये आमंत्रित किया गया। यहां वे एक सक्रिय महिला अधिकारों की प्रवक्ता बन कर उभरीं। 1891 में जर्मनी लौटने के साथ उन्होंने महिला अधिकारों की वकालत करने के लिये ह्‍आड़ ग्लीचहाइटह्‍ह नामक पत्रिका की स्थापना की और उसका आगे 25 सालों तक संपादन कार्य भी किया। जर्मन पत्रिका डाइ ग्लीचहाइटह्‍ह का अर्थ समानता है। इसके उप शीर्षक में महिला

महिलाओं के सुरक्षा को प्रतिबद्ध भारतीय न्याय संहिता



जाए वो शारीरिक हिंसा होगी मानसिक हिंसा मानसिक उत्पीड़न या मनोवैज्ञानिक उत्पीड़न, किसी व्यक्ति के खिलाफ किया जाने वाला ऐसा व्यवहार है जिससे उसे दर्द, परेशानी, या अपमान हो. यह एक तरह का भावनात्मक शोषण है. मानसिक उत्पीड़न, शारीरिक उत्पीड़न से अलग होता है. मानसिक उत्पीड़न के कुछ उदाहरण: डराना,अपमानित करना मौखिक दुर्व्यवहार,बहिष्कार करना किसी के बारे में दुर्भावनापूर्ण अफवाहें फैलाना,लगातार क्रोधित होना चीखने-चिल्लाना,योग्यताओं को कम आंकना,शर्मिंदा करना,झूठा आरोप लगाना मानसिक उत्पीड़न से पीड़ित व्यक्ति को मानसिक बीमारियां हो सकती हैं, जैसे कि अवसाद, चिंता, और पीटीएसडी. मानसिक उत्पीड़न से जुड़ी शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं। कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 यह कानून क्या करता है? यौन उत्पीड़न क्या है? व्यवहार या कृत्य

समाज का नुकसान

अधिक पैसे कमाने की चाहत में कई कारोबारी अपनी नैतिक जिम्मेदारी भूल रहे हैं। दवाइयां, खाद्य पदार्थ, घी, तेल, दूध, मिठाइयां, मसाले आदि में मिलावट कर वे लोगों को चुपके-चुपके अस्वस्थ बना रहे हैं। यह कोई छोटा अपराध नहीं है, लेकिन लचर सरकारी व्यवस्था, भ्रष्टाचार और कठोर सजा के अभाव में मिलावट का खेल पनप रहा है। मिलावट करने वाले सिर्फ अपने फायदे की सोचते हैं, जबकि इसके परिणाम समाज और स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालते हैं।

-दिनेश सिंह, रांची
कठोर सजा मिले
त्योहारों के दौरान नकली मेवा और मिलावटी सामानों की भरमार हो जाती है, जिससे उपभोक्ताओं का स्वास्थ्य खतरे में पड़ता है। मुनाफा कमाने के लिए कुछ लोग नैतिकता को ताक पर रख देते हैं और भूल जाते हैं कि ये मिलावटी उत्पाद जानलेवा बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

- शिवशंकर, गुमला
द्वीट
हमारी परंपरा ही हमारी विरासत है परंपरा का क्या महत्व है ? परंपरा हमें एक दूसरे से जोड़ता है परंपरा हमें प्रकृति से ,धरती से जोड़ता है। परंपरा हमें देवताओं से ,अपने पूर्वजों से जोड़ता है। हम कह रहे की हमें परंपरा का संरक्षण करना है - लेकिन वास्तव में, हमारी परंपरा ही हमारी रक्षा करता है। सामाजिक और धार्मिक पारंपरिक रीति रिवाज , परंपरागत प्रबन्धन , रूढ़िवादी नीति - ये सब कई सदियों से हमारे समाज को रास्ता दिखा रही है , और उनकी हर प्रकार से रक्षा भी कर रही है। - **निशा रांवा, डायरेक्टर, पंचायती राज, झारखंड**

हमारे परंपरा ही हमारी विरासत है परंपरा का क्या महत्व है ? परंपरा हमें एक दूसरे से जोड़ता है परंपरा हमें प्रकृति से ,धरती से जोड़ता है। परंपरा हमें देवताओं से ,अपने पूर्वजों से जोड़ता है। हम कह रहे की हमें परंपरा का संरक्षण करना है - लेकिन वास्तव में, हमारी परंपरा ही हमारी रक्षा करता है। सामाजिक और धार्मिक पारंपरिक रीति रिवाज , परंपरागत प्रबन्धन , रूढ़िवादी नीति - ये सब कई सदियों से हमारे समाज को रास्ता दिखा रही है , और उनकी हर प्रकार से रक्षा भी कर रही है। - **निशा रांवा, डायरेक्टर, पंचायती राज, झारखंड**

मजदूरों के हितों के लियेह्‍ह लिखा जाता था। 1890 के दशक से लेकर प्रथम विश्वयुद्ध के शुरू होने तक जेटकिन ने जर्मन समाजवादी महिला आंदोलन को सफलतापूर्वक खड़ा करने के लिए अपनी ऊर्जा समर्पित की। 1907 तक समाजवादी महिला आंदोलन में 75,000 से ज्यादा महिलाएं शामिल हो चुकी थीं। यह ह्‍आड़ ग्लीचहाइटह्‍ह के सदस्यता अभियान से पता चलता है। हजारों महिलाओं को ट्रेड यूनियनों, शिक्षा समितियों में संगठित किया गया और 1908 के बाद जब महिला संघ के विरुद्ध कानून निरस्त कर दिया गया, तो एसपीडी भी शामिल हो गईं। 1914 तक जर्मन सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी यानी एसपीडी की 174,474 महिला सदस्य थीं। इसी साल से उनके कुशल सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता होने का सबूत मिलता है। 1910 का सोशलिस्ट इंटरनेशनल महिला सम्मेलन महिलाओं के अधिकारों

और समानता की दिशा में एक ऐतिहासिक मोड़ था। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का प्रस्ताव 1910 को कोपेनहेगन (डेनमार्क) में आयोजित इसी सम्मेलन में रखा गया था। क्लारा ने सुझाव दिया कि हर साल एक दिन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए, ताकि दुनिया भर में महिलाओं के अधिकारों, समानता और सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा सके। इस प्रस्ताव को 17 देशों की 100 से अधिक महिलाओं ने समर्थन दिया। क्लारा जेटकिन के प्रस्ताव के एक साल बाद, 1911 में पहली बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। यह 19 मार्च 1911 को ऑस्ट्रिया, जर्मनी, डेनमार्क और स्विट्जरलैंड में मनाया गया। लाखों महिलाओं और पुरुषों ने रैलियों, प्रदर्शनों और सभाओं के माध्यम से महिला अधिकारों की मांग की। इसके बाद 1975 में संयुक्त राष्ट्र ने इसे आधिकारिक मान्यता दी और इसे अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस घोषित किया गया।

इसी दौरान बच्चों के यौन उत्पीड़न के मामलों हेतु एक अलग कानून बना। तदुपरांत यह स्थापित हो गया कि घरों में महिलाओं के साथ कई रूपों में हिंसा बदस्तूर जारी है। इसे लेकर घरेलू हिंसा रोकने के लिए कानून बना। अंततः यह स्वीकार किया जाने लगा है कि महिलायें भी एक कामकाजी प्राणी हैं, और वे काम की जगह पर भी हिंसा की शिकार होती हैं। इसके लिए अगस्त 1997 में सर्वोच्च न्यायालय ने देश में कार्यस्थल पर लैंगिक अस्तिव्‍ह यौन उत्पीड़न रोकने के लिए विशाखा दिशानिर्देश बनाए थे। विचारणीय यह है कि क्या हमारा समाज महिलाओं के लिए एक असुरक्षित और अपमानजनक जीवन जीने का स्थान है? हम ईंतजार करेंगे कि कोई विशाखा, भंवरी देवी या निर्भया आए और उनके अस्तिव्‍ह दांव पर लगने के बाद सरकार और समाज जागेगा? अब हमारे पास महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोषण) कानून 2013 मौजूद है। दिसम्बर 2013 को इसके नियम भी जारी कर दिए गए हैं। लेकिन इन नियमों से भी सरकार के गंभीर होने का अहसास होता है। (अधिवक्ता झारखंड हाई कोर्ट रांची)



महिला दिवस महिलाओं के संघर्ष और उपलब्धियों की पहचान है



कोडरमा। महिला दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि महिलाओं के संघर्ष और उपलब्धियों की पहचान है। भारत में जहां नारी को देवी माना जाता है, वहीं वह असमानता और हिंसा का शिकार भी होती है। लेकिन अब महिलाएं शिक्षा, खेल, विज्ञान, राजनीति और रक्षा जैसे हर क्षेत्र में इतिहास रच रही हैं। प्राचार्या होने के नाते, मैं देखती हूं कि आज की बच्चियां आत्मनिर्भर और महत्वाकांक्षी हैं, शिक्षा ही उन्हें सशक्त बनाती है। इस महिला दिवस पर हम संकल्प लें कि हर लड़की को अवसर देंगे, ताकि वह अपने सपने साकार कर सकें और समाज को आगे बढ़ा सकें।

भूले से मत कीजिए, नारी का अपमान!
नारी जीवन दाहिनी, नारी है वरदान,
मां बनकर देती है जन्म, पत्नी बन संतान,
जीवन भर छाया करे, नारी वृक्ष समान
इस महिला दिवस पर नारी शक्ति को प्रणाम!

-अंजना कुमारी प्राचार्या, ग़िज़ली विद्यालय महिला दिवस महिलाओं के अधिकारों, संघर्षों और उपलब्धियों को सम्मान देने का दिन है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चाहे वह परिवार हो, शिक्षा, विज्ञान, खेल, राजनीति या व्यवसाय। आज महिलाएं न केवल अपने घर-परिवार को संभाल रही हैं, बल्कि समाज और देश की उन्नति में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

-नীরजा, प्राचार्या ग़िज़ली पब्लिक स्कूल

गिजली विद्यालय के नन्हे बच्चों ने हर्षोल्लास से मनाया होली उत्सव



कोडरमा। ग़िज़ली विद्यालय के नन्हे बच्चों ने रंगों के पावन पर्व होली का उल्लासपूर्वक उत्सव मनाया। इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें उनकी मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां और मटकी फोड़ने का सुंदर अभिनय शामिल रहा। मटकी फोड़ कार्यक्रम में श्रेयस, भूषण, पीयूष, अभिषेक, आरव और प्रवास्तिक ने भाग लिया। वहीं, समूह नृत्य प्रस्तुति में कायरा, निशिता, परिणीधी, साई, कोमल, रेचल, आरुषि, अभया, आकांक्षा, आयुष और श्रेय भूषण ने शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में रक्षा के रूप में आभ्या, कायरा और आकांक्षा, कृष्ण के रूप में प्रवास्तिक, श्रेयस, भूषण, और साई ने मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुतियां दीं, जिससे दर्शक भावविभोर हो गए। छात्रों ने पारंपरिक लोकगीतों पर एकल नृत्य प्रस्तुत कर अपनी भाव-भंगिमा और सटीक मुद्राओं से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बिना ट्रेड लाइसेंस संचालित आधा दर्जन दुकानें सील
झुमरीतिलैया (कोडरमा)। बिना ट्रेड लाइसेंस लिये दुकान व प्रतिष्ठान संचालित करने वालों के विरुद्ध नगर पर्षद द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। वहीं नगर पर्षद की इंफोर्सेमेंट टीम ने गुरुवार को भी बिना ट्रेड लाइसेंस के संचालित आधा दर्जन दुकानों को सील करने की कार्रवाई की। टीम ने ऐसी दुकानों को सील किया, जिन्हें पूर्व में बार-बार नोटिस जारी किया गया था, बावजूद इसके ट्रेड लाइसेंस नहीं लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार नगर प्रशासक के निर्देश पर नगर प्रबंधक रंधीर कुमार वर्मा के नेतृत्व में शहर में बिना ट्रेड अनुज्ञाप्ति लिये अवैध रूप से दुकान, संस्थान का संचालन करने वाले दुकानों, संस्थानों पर कार्रवाई की गयी। इन संस्थानों को पूर्व में कई बार नोटिस भी दिया गया था, बावजूद वे ट्रेड अनुज्ञाप्ति लेने में रुचि नहीं ले रहे थे। टीम ने कार्रवाई के दौरान स्टेशन रोड में स्थित लखपति वस्त्रालय, शंकर होटल के अलावा ग्रीन पार्क वेलीनिक, एफे इलेक्ट्रॉनिक व झंडा चौक के पास शिखर औषधालय सहित कई अन्य दुकानों को चिन्हित कर उन्हें सील किया। वहीं अभियान के दौरान बताया गया कि जिनका भी अपने आवासीय, गैर आवासीय दुकानों, संस्थानों का ट्रेड व होल्डिंग नहीं बना है वे इसे शीघ्र बनवाना सुनिश्चित करें अन्यथा नगर पर्षद के द्वारा लगातार इस प्रकार की कार्रवाई होती रहेगी। टीम में प्रभारी कर निरीक्षक, कनीय अभियंता, राजस्व निरीक्षक, पर्यवेक्षक, रितिका प्रिटेक के प्रमुख, कर संग्राहक व अन्य शामिल थे।

शांतिपूर्ण व कदाचारमुक्त माहौल में परीक्षा संपन्न

मरकच्चो (कोडरमा)। हिंदी व विज्ञान का प्रश्नपत्र लीक होने के बाद दोनों विषयों की परीक्षा रद्द कर दी गयी थी। उसके बाद प्रखंड क्षेत्र मरकच्चो के तीनों केंद्र, परियोजना प्लस टू उच्च विद्यालय देवीपुर, सर्वोदय प्लस टू उच्च विद्यालय मरकच्चो व अपग्रेड प्लस टू उच्च विद्यालय जगदीशपुर में मैट्रिक परीक्षा चल रही है। वहीं शुक्रवार को हिंदी अ विषय की परीक्षा तीनों केंद्रों पर शांतिपूर्ण तथा कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न हुआ। वहीं तीनों केंद्रों पर कुल 10 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं सर्वोदय प्लस टू उच्च विद्यालय के प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक सन्तोष प्रसाद ने बताया कि परीक्षा केंद्र 26012 में हिंदी अ विषय की परीक्षा के लिए कुल 652 परीक्षार्थियों ने फर्म भरा था, जिसमें कुल 651 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, वहीं 1 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक न्यूटन कुमार ने बताया कि परीक्षा केंद्र 26013 में हिंदी अ विषय की परीक्षा में कुल 626 छात्र छात्राओं को सम्मिलित होना था, जिसमें 619 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, वहीं 7 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं नया केंद्र 26014 अपग्रेड प्लस 2 उच्च विद्यालय जगदीशपुर के केंद्राधीक्षक पंकज मल्लाकार ने बताया कि परीक्षा में 366 परीक्षार्थियों ने फार्म भरा था, जिसमें 364 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए 2 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

प्लास्टिक अपशिष्ट पुनर्चक्रण पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

अपशिष्ट पुनर्चक्रण से प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है : डीसी



खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। अंचल सभागार में प्लास्टिक अपशिष्ट पुनर्चक्रण पर 6 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त मेधा भारद्वाज ने किया। वहीं प्रशिक्षण शिविर की सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अपशिष्ट पुनर्चक्रण से पर्यावरण

को काफी कम नुकसान होता है, ऊर्जा की बचत होती है, साथ ही प्रदूषण की समस्या में भी कमी आती है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है। वहीं उन्होंने कहा कि 7 मार्च से 12 मार्च तक चलने वाले इस प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षकों द्वारा दी जाने वाली जानकारीयों को गम्भीरता से सुनें और उस पर अमल करें।

कोडरमा सदर अस्पताल में मना जन औषधि दिवस

मंहगाई से जूझ रहे लोगों के लिए जेनरिक दवाइयां रामबाण सिद्ध हो रही हैं : डॉ अनिल

खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। सदर अस्पताल स्थित सभागार में सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार की अध्यक्षता में जन औषधि दिवस मनाया गया। वहीं उन्होंने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि मंहगाई के इस दौर में जेनरिक दवाइयां आमजनों के लिए रामबाण सिद्ध हो रहा है, उन्होंने कहा कि देश भर में एक मार्च से 7 मार्च तक जन औषधि दिवस मनाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य आमजनों को इसके प्रति जागरूक करना है। जेनरिक दवाइयां न केवल ब्रांडेड दवाइयों से काफी सस्ती होती है बल्कि असरदार भी होती है।

वहीं उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल में इस केंद्र के खुलने से अस्पताल आने वाले मरीजों व



जिलेवासियों को इसका काफी लाभ मिल रहा। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल समेत सभी सीएचसी में सभी चिकित्सक जेनरिक दवाइयां ही लिखें इसके लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। वहीं जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि कुछ

लोगों का मानना है कि जन औषधि की दवा ज्यादा असरदार नहीं होती हैं, यह पूरी तरह गलत है। आज बड़े बड़े शहरों और अस्पतालों में भी जेनरिक दवाइयों का प्रचलन खूब बढ़ा है, लोग बैज्ञानिक इसका उपयोग कर रहे हैं और विभिन्न रोगों से स्वस्थ भी हो रहे हैं।

कार्यक्रम को डीपीएम महेश कुमार आदि ने भी सम्बोधित किया। मौके पर विनीत अग्रिहोत्री, सुमित कुमार सिन्हा, लाल बहादुर सिंह, सुजित कुमार, रौनक कुमार सुनील यादव, अभिजीत कुमार, जीवन कुमार समेत भारी संख्या में स्वास्थ्य कर्मी आदि मौजूद थे।

बस ने खड़ी हाईवा में मारी जोरदार टक्कर



किया। इस दौरान सभी 6 गवाहों का परीक्षण कराया गया। कार्रवाई के दौरान अपराध की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी लोक अभियोजक ने न्यायालय से अभियुक्त को अधिक से अधिक सजा देने का आग्रह किया। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता आमीर निजामी ने दलीलें पेश करते हुए बचाव किया। अदालत ने सभी गवाहों और साक्ष्यों का अवलोकन करने के उपरांत अभियुक्त अशरफ अंसारी को 413 एवं 379 आईपीसी के तहत दोषी पाया और सजा मुकर्रर की और जुर्माना लगाया। वहीं न्यायालय ने अशोक भुईयां, मधु भुईयां, श्रवण कुमार एवं शंकर भुईयां को 379 आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए एक 11-11 महिना की सजा सुनाई।

● अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा की अदालत ने सुनाई सजा

भोजनीया ने कहा था कि सतडीहा, ग्रामीण जलापूर्ति योजना का कार्य उनके द्वारा कराया जा रहा था, जिसे लेकर सतडीहा पंचायत भवन के सामने के मैदान में पाइप रखा हुआ था। जिसकी जांच व गिनती बराबर की जाती थी। वहीं 22 जुलाई 2023 को जांच एवं गिनती के दौरान 127 पाइप कम पाया गया, जिसकी कीमत लगभग 18 लाख रुपए है। पता करने पर जानकारी मिली कि वहां से पाईप किसी गाड़ी के माध्यम से चुरा लिया गया है। उन्होंने पुलिस से जांच कर कार्रवाई करने का आग्रह किया था। वहीं अभियोजन का संचालक प्रभारी लोक अभियोजक निधि त्रिपाठी ने

पर्यावरण संरक्षण के लिए जंगल को बचाना अनिवार्य

डोमचांच (कोडरमा)। प्रखंड के ढोढाकोला पंचायत में समर्पण संस्था के द्वारा दो दिवसीय जंगल और वन्यजीव सुरक्षा अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्थानीय समुदाय को वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन के प्रति जागरूक करना था, ताकि वे अपने आसपास के जंगलों और वन्यजीवों की रक्षा में सक्रिय भागीदारी निभा सकें। इस अभियान में पर्यावरणविद इन्द्रजीत सामंता, समर्पण के परियोजना समन्वयक

● ढोढाकोला में जंगल और वन्यजीव सुरक्षा अभियान का आयोजन

शंकर लाल राणा और विभिन्न पंचायतों के युवा नेताओं ने भाग लिया। अभियान के माध्यम से युवाओं ने वन्य जीवों की सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थिरता और जैव विविधता को बचाने के लिए महत्वपूर्ण संदेश दिये। वहीं पर्यावरणविद इन्द्रजीत सामंता ने स्थानीय लोगों और युवाओं को जंगलों और वन्य जीवों के महत्व के

बारे में जानकारी दी। वहीं उन्होंने बताया कि जंगल पारिस्थिति की तंत्र का अभिन्न हिस्सा हैं और इसके संरक्षण से न केवल वन्यजीवों की सुरक्षा होती है, बल्कि जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है। उन्होंने जंगलों की अंधाधुंध कटाई और वन्यजीवों के शिकार जैसी गंभीर समस्याओं पर भी चर्चा की। वहीं समर्पण के परियोजना समन्वयक शंकर लाल राणा ने स्थानीय समुदायों के साथ वन्यजीव संरक्षण पर विस्तार से चर्चा की।

डीसी के पास फरियाद लेकर पहुंचे वार्ड नंबर पांच के लोग



रहे हैं, उपरोक्त तीनों गांवों को नगर पंचायत क्षेत्र से हटाने की मांग करते हुए कई बार आवेदन दे चुके हैं, परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं ग्रामीणों ने आवेदन के माध्यम से कहा है कि उक्त तीनों गांव किसी भी दृष्टिकोण से शहरी क्षेत्र में शामिल होने का मापदंड पूरा नहीं करते हैं, आबादी

घनी नहीं है, आने जाने का रास्ता भी सुनसान है, पूरा इलाका जंगल झाड़ से घिरा हुआ है। यहां के लोग काफी पिछड़े हुए हैं, रोजगार के अभाव में यहां के पुरुष दूसरे प्रदेशों में पलायन को मजबूर हैं। एक बड़ी आबादी गरीबी रेखा से नीचे अपना गुजर बसर कर रही है। इन

परिस्थितियों में नगर पंचायत द्वारा लिया जाने वाला होल्डिंग टेक्स व अन्य शुल्क देने से असमर्थ है। वहीं ग्रामीणों ने उपायुक्त से उक्त तीनों गांवों को नगर पंचायत से हटाकर पुनः ग्रामीण क्षेत्र में शामिल करने की मांग की है। ज्ञापन में सुरेश मेहता, अनिल कुमार मेहता, राकेश कुमार, अनिता देवी, कुंती देवी, मीना देवी, मुन्ना देवी, गीता देवी, कंचन देवी, रीना देवी, सुखदेव मेहता समेत करीब 500 से अधिक लोगों के हस्ताक्षर हैं।

खबर एक नजर में

प्रधानाचार्य की लापरवाही से दो विद्यार्थियों का भविष्य संकट में, एडमिट कार्ड जारी न होने से परीक्षा से वंचित



कुदा (चतरा)। मॉडल विद्यालय के प्रधानाचार्य की लापरवाही के कारण नौवी कक्षा के दो विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होने से वंचित हो सकते हैं। लेवाड़ गांव के रहने वाले छात्र पंकज कुमार और सुमन कुमारी का कहना है कि उन्होंने रजिस्ट्रेशन शुल्क 530 रु. जमा किया था, फिर भी उनका एडमिट कार्ड जारी नहीं हुआ। छात्रों के अभिभावकों ने जब प्रधानाचार्य कमलेश प्रताप यादव से इस संबंध में बातचीत की, तो उन्होंने इसे एक छोटी गलती बताकर पल्ला झाड़ लिया। छात्रों का आरोप है कि जब उनके पिता प्रधानाचार्य से मिलने गए, तो उन्हें कहा गया, अब गलती हो गई, हम अगले साल का टयूशन शुल्क दें देंगे। ज्यादा हल्ला मत करो, नहीं तो बच्चे का भविष्य खराब कर देंगे। प्रधानाचार्य ने रजिस्ट्रेशन और चालान जमा होने की पुष्टि की, लेकिन सर्वर डाउन होने की वजह से एडमिट कार्ड जारी न होने का दावा किया। अब सवाल यह उठता है कि तकनीकी गड़बड़ी की जिम्मेदारी छात्रों पर क्यों डाली जा रही है? अभिभावकों ने उपायुक्त से गुहार लगाई है कि छात्रों के भविष्य को बचाने के लिए उचित कार्रवाई की जाए और एडमिट कार्ड जारी करवाया जाए ताकि वे परीक्षा में शामिल हो सकें। प्रशासन से अपेक्षा है कि इस मामले की गंभीरता को समझते हुए जल्द से जल्द उचित निर्णय लिया जाए।

लोक जनसुनवाई कार्यक्रम में रैयतों ने किया जोरदार विरोध, कार्यक्रम रद्द

टंडवा (चतरा)। पूर्व निर्धारित तिथि के अनुसार उड्डुमोड के समीप आमपाली विस्तारीकरण को लेकर जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान लोक जनसुनवाई कार्यक्रम सुन रहे कुछ रैयतों ने कार्यक्रम का विरोध कर दिया और कहा कि प्रबंधन द्वारा सिर्फ अपना हित साधने की मंसूबा साफ झलक रही है। इसी में कार्यक्रम स्थल में ही स्थानीय रैयत विरोध करते हुए जोरदार नारेबाजी करने लगे। लोगों ने तानाशाह जीएम नहीं चलेगा, परियोजना से उसे हटाना होगा जैसे नारे लगाए। सहमति बिना प्राप्त किये ही कार्यक्रम का समापन हुआ। लोगों ने कहा कि अगर सदनगद गजैसा फर्जीवाड़ा कर लेने का प्रयास प्रबंधन ने किया तो वे सड़क से सड़न तक आंदोलन करेंगे। न्यायालय में याचिका दायर कर आरोपियों को कठघरे में खींच कर ले जावेंगे। आरोप लगाया गया कि व्यापक विरोध को देखते हुए भीड़ जुटाने और दिखाने के लिये कामगारों और बाहरी लोगों से कामवाड़ा लगाया गया। हंगामा के कारण बीच में अधिकारी कार्यक्रम छोड़कर चले गये। स्थानीय भू-रैयतों व जनप्रतिनिधियों ने जन सुनवाई कार्यक्रम में रजिस्टर पर हस्ताक्षर नहीं किए।

झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष बने मनोज कुमार वर्मा

गिद्धौर। बटेश्वर शिव मंदिर परिसर में शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड सम्मेलन सह प्रखंड कमेटी विस्तार की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा ने की, जबकि संचालन राजेश कुशवाहा ने किया। बैठक में पार्टी के जिला अध्यक्ष पंकज प्रजापति, झामुमो नेता मनोज चंद्रा, बैजनाथ कुमार दांगी, यदुनंदन पांडेय समेत कई वक्ता नेत उपस्थित रहे। कमेटी पुनर्गठन के दौरान अध्यक्ष पद के लिए मनोज कुमार वर्मा और बहादुर दांगी ने अपनी दावेदारी पेश की। आपसी सहमति न बनने के कारण वोटिंग कराई गई, जिसमें मनोज कुमार वर्मा को 16 मत मिले, जबकि बहादुर दांगी को 11 मत प्राप्त हुए। इस तरह मनोज कुमार वर्मा को झामुमो का नया प्रखंड अध्यक्ष चुना गया। वहीं सचिव देवदीप पासवान, उपाध्यक्ष संजय यादव, कोषाध्यक्ष संदीप दास को चुना गया। इस अवसर पर आलोक रंजन, देवनााराण दांगी, प्रमेश्वर दांगी, संतान सोनी, रोहन यादव, विकास समेत कई कार्यकर्ता एवं नेता उपस्थित रहे।

रमजान को लेकर उत्सव का माहौल

मरकच्चो (कोडरमा)। प्रखंड में जहां रमजान को लेकर उत्सव का माहौल है, वहीं रमजान के पहले जुम्मे को लेकर मस्जिदों में शुक्रवार को नमाज अदा करने की भीड़ उमड़ी। मिली जानकारी के अनुसार इस दिन लोग अल्लाह से नमन्त मांगते हैं और गरीबों का ख्याल रखते हैं एवं गरीबों को प्यार देकर रोजेदार अल्लाह के खास बन जाते हैं। रोजेदार प्रतिदिन शाम को अजान होने के बाद रोजा खोलते हैं। शुक्रवार को पहली नमाज मरकच्चो प्रखंड मुख्यालय स्थित जामा मस्जिद, शाहगंज, शर्बूला नगर, नादकरी, भोजपुर, देवीपुर, महुआटांड, दरदाही, नावाडीह, लखौमी, दशरौ, महरीया अहरी, मंझलानगर, पुरनानगर, महुंगाय, मुरकमानाय, उल्हडीह समेत प्रखंड के कई मस्जिदों में नमाजियों ने रमजान माह के पहली जुम्मे की नमाज अदा की और अपने, अपने परिवारों व देश में शांति अमन चीन के लिए दुवा मांगी।

9 से 11 मार्च तक झुमरीतिलैया में होगा भव्य श्याम फाल्गुन महोत्सव

कोडरमा। झुमरीतिलैया में श्याम मंदिर सेवा ट्रस्ट पोद्दार निवास द्वारा 9 से 11 मार्च तक विशाल श्याम फाल्गुन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। वहीं मंदिर समिति के आयुष पोद्दार ने बताया कि 9 मार्च को अखंड ज्योत पाठ एवं 10 मार्च को निशान शोभायात्रा निकाली जायेगी, जो कोडरमा स्टेशन स्थित काली मंदिर से प्रारंभ होगी। उसी रात एकादशी कीर्तन भी होगा, 11 मार्च को सुबह 4 बजे मंगल आरती के बाद बरसाने की ज्योत के साथ भजन संस्था का आयोजन होगा। महोत्सव में जमशेदपुर के मनोज शर्मा, कोलकाता के प्रेम सोनी, मधुपुर के कुणाल बाटवाल, ओडिशा के कैलाश पोद्दार, बाबा बैजनाथ धाम की जया किशोरी, झुमरीतिलैया के रवि देवील और राकेश राजपूत अपने भजनों से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करेंगे। वहीं पानी टंकी रोड स्थित श्याम मंदिर में भी दो दिवसीय फाल्गुन उत्सव मनाया जाएगा। इसकी जानकारी महावीर खेतान ने दी।

कांग्रेस के वरीय नेता का आकस्मिक निधन

कोडरमा। झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रतिनिधि सह जिला बीस सूत्री कार्यान्वयन समिति के सदस्य कोडरमा कांग्रेस के वरीय नेता अनावरुल हक के आकस्मिक निधन पर समाजसेवियों, जन-प्रातिनिधियों आदि ने गहरा शोक व्यक्त किया है। शोक व्यक्त करने वालों में कोडरमा सांसद अनूपगौरी देवी, विधायक डॉ. नीरा यादव, जिला अध्यक्ष रामचन यादव, कांग्रेस जिला अध्यक्ष भागीरथ पासवान, कांग्रेस जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष लीलावती मेहता, सईद नसीम, खालिद खलील, राजद नेता परवेज खान, मनोज रजक समेत कई लोगों ने शोक व्यक्त किया।



गिद्धौर में किसान मेला सह फल-फूल एवं सब्जी प्रदर्शनी का आयोजन

● किसानों को दी गई नई तकनीकों की जानकारी

खबर मन्त्र संवाददाता

गिद्धौर (चतरा)। प्रखंड मुख्यालय स्थित रामनवमी मेला मैदान में शुक्रवार को आत्मा एवं उद्योग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रखंड स्तरीय किसान मेला सह फल-फूल एवं सब्जी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन कृषि विज्ञान केंद्र, चतरा द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद सदस्य अनीता देवी, प्रमुख अनीता यादव, मुखिया निर्मला देवी एवं बीटीएम राजेश कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान विभागीय



अधिकारियों ने किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी, जिससे वे आधुनिक कृषि तकनीकों का लाभ उठा सकें। इस किसान मेले में मशरूम उत्पादन, फल एवं सब्जियों के पौधों की प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। किसानों ने यहां उन्नत खेती के तरीकों की जानकारी ली और अपने अनुभव साझा किए। इस आयोजन में 75 किसानों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम,

द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किसानों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। मेले में लगभग 176 किसान उपस्थित रहे, जिन्होंने कृषि से संबंधित नई जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर एटीएम प्रबंधक कुमार, सोनम कुमारी, कृषक मित्र प्रसादी पासवान, समाजसेवी बोलेश्वर यादव, उमेश यादव, मुकेश कुमार, सुरेश प्रसाद राणा, ब्रह्मदेव यादव, सुरेश रविदास, महावीर दांगी, कोमल यादव समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।





धनबाद जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों ने प्रदेश प्रभारी संग की बैठक



धनबाद। झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के. राजू ने 7 मार्च को बोकारो में धनबाद जिला कांग्रेस के सभी प्रखंड, नगर और मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक की। इस दौरान कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और स्थानीय मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रदेश प्रभारी ने सभी अध्यक्षों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और उन पर अमल करने का आश्वासन दिया। बैठक में धनबाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में सभी नगर, प्रखंड और मंडल अध्यक्षों ने भाग लिया। इस दौरान झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख, के.एन. त्रिपाठी, राशिद रजा अंसारी सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक में पार्टी संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने, जमीनी स्तर पर कार्यकलाओं की सक्रियता बढ़ाने और आगामी चुनावों की रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रदेश प्रभारी ने कहा कि कांग्रेस को मजबूती देने के लिए कार्यकर्ताओं के विचारों को प्राथमिकता दी जाएगी और संगठन को जमीनी स्तर तक सशक्त किया जाएगा।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव में कोयलांचल विवि का शानदार प्रदर्शन



धनबाद। एमिटी यूनिवर्सिटी, नोड्डा में आयोजित एआईयू 38वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2024-25 में विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय की टीम ने कुल आठ इवेंट में भाग लिया और लाइट वोकल इंडियन में गोल्ड, कोलाज में सिल्वर, जबकि ग्रुप सॉन्ग इंडियन, वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंट सोलो, माइम और वन-एक्ट प्ले में ब्रॉज मेडल हासिल किया। इसके अलावा, इलूकेशन में पांचवां और कल्चरल प्रेजेंटेशन में तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में सृष्टि मिश्रा ने लाइट वोकल सोलो में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कोलाज में रोहित कुमार ने दूसरा स्थान हासिल किया। वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंट सोलो में अरीत्रो कुमार, माइम और वन-एक्ट प्ले में विभिन्न प्रतिभागियों की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया। इलूकेशन में रिया गुप्ता ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। प्रतिभागियों की इस उपलब्धि पर कुलपति डॉ. राम कुमार सिंह ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने छात्रों को भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहने के लिए प्रेरित किया और हर गतिविधि में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं।

संस्थापक

स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए

मुद्रक, प्रकाशक मंजू सिंह

द्वारा चिह्नोदी, बोडैया रोड, रंची (झारखंड)834006 से मुद्रित एवं लुबुी सकुंलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।

संपादक अविनाश ठाकुर

स्थानीय संपादक: ज्ञानवर्द्धन मिश्र * फ़ोन : 9431124480

e-mail khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No. (आवेदित)

* पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा



टाटा स्टील झरिया डिवीजन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का मत्त्य आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

झरिया। टाटा स्टील के झरिया डिवीजन ने डिगवाडीह क्लब में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को धूमधाम से मनाया। इस विशेष अवसर पर सुनीता राजोरिया और लक्ष्मी सिंह ने कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया, जबकि दिव्या ठाकुर, मिली सिंह, सोनिया अमन, श्रीपर्णा सामंता और श्वेता मिश्रा (हेड, एडमिनिस्ट्रेशन, झरिया डिवीजन) सहित कई गणमान्य महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सांस्कृतिक संध्या रही, जिसमें



महिलाओं ने अपने अद्भुत नृत्य और गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान एक प्रभावशाली

नाटक का भी मंचन किया गया, जिसने महिलाओं की दोहरी भूमिका-मां और पेशेवर महिला-

उनके बहुमूल्य योगदान को प्रभावी ढंग से दर्शाया।

कार्यक्रम में 100 से अधिक महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रेरणादायक भाषणों के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित किया गया। समापन स्वादिष्ट रात्रिभोज के साथ हुआ। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम एक्सेलरेट एक्शनर थी, जो महिलाओं की प्रगति को गति देने की दिशा में प्रेरित करती है।

टाटा स्टील हमेशा से एक समावेशी और समानता आधारित कार्यस्थल को बढ़ावा देने के लिए

प्रतिबद्ध रहा है। 2015 में मोजेक फ्रेमवर्क की स्थापना के साथ शुरू

हुई इस यात्रा ने कार्यस्थल में विविधता, समानता और समावेशन को मजबूत किया है। कंपनी की पहल, जैसे 'प्लेसम ऑफ चेंज,' 'तेजरिक्वी' और 'वोमेन @ माईस,' महिलाओं को पारंपरिक रूप से पुरुषों द्वारा निभाई जाने वाली भूमिकाओं में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं।

इसके अलावा, टाटा स्टील ने अपनी नीतियों को अधिक समावेशी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनमें मासिक धर्म अवकाश, विस्तारित

मातृत्व-पितृत्व लाभ, घर से काम (वर्क-फ्रॉम-होम) की सुविधा और पांच-दिवसीय कार्य सप्ताह जैसी सुविधाएं शामिल हैं। साथ ही, कार्यस्थल पर सेनेटरी पैड वॉर्डिंग मशीनों की स्थापना, कामकाजी माताओं के लिए बेहतर सुविधाएं और बुनियादी ढांचे में सुधार के माध्यम से महिलाओं के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया गया है। टाटा स्टील का लक्ष्य एक ऐसा कार्यस्थल बनाना है, जो समाज की विविधता को पूरी तरह दर्शाए और हर व्यक्ति को आगे बढ़ने, सशक्त होने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने का अवसर प्रदान करे।

एक नजर में

7 माह के मासूम के लिए सिंदरी विधायक मीडिया प्रभारी शीतल दत्ता ने किया रक्तदान

सिंदरी/बलियापुर। मानवता की मिसाल पेश करते हुए सिंदरी विधायक मीडिया प्रभारी शीतल दत्ता ने एक 7 माह के बीमार बच्चे के लिए अपना 39वां रक्तदान किया। यह नेक कार्य बलियापुर प्रखंड के आमटाल पंचायत स्थित कुईया बस्ती निवासी विक्की महतो के बेटे देवेश महतो के लिए किया गया, जिसे गंभीर हालत में बोकारो के मुस्कान अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गुरुवार की रात जब बच्चे के पिता ने रक्त की आवश्यकता की जानकारी शीतल दत्ता को दी, तो उन्होंने बिना समय गंवाए रेड क्रॉस ब्लड बैंक, बोकारो पहुंचकर रक्तदान किया। इस मौके पर रक्तदान को रमहादानर बताते हुए सर्मापण-एक नेक पहल संस्था के अध्यक्ष दीपेश चौहान, ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स के गीतम मंडल और हरिओम सेवा संस्था के संस्थापक सदस्य विनोद सिंह ने शीतल दत्ता को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान रेड क्रॉस ब्लड बैंक के टेक्नीशियन रंजन सिंह, समाजसेवी साजिद हुसैन, बच्चे के चाचा पंकज महतो, तथा स्थानीय समाजसेवी प्रभास पाल, प्रेमोशु पाल, आमोद बावरी, अनिल महतो, हारु बावरी, बबलू बाउरी सहित कई लोग उपस्थित रहे। इस प्रेरणादायक कार्य ने एक बार फिर यह साबित किया कि रक्तदान न केवल जीवन बचाता है, बल्कि समाज में मानवता और सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है।



बरोरा और ब्लॉक 2 क्षेत्र को मिलाने की योजना का विरोध, आंदोलन की तैयारी

कतरास। बीसीसीएल द्वारा बरोरा और ब्लॉक 2 क्षेत्र को मिलाकर एक नया क्षेत्र बनाने की योजना और एमडीओ मोड जैसी आउटसोर्सिंग नीति के खिलाफ विरोध तेज हो गया है। इसी मुद्दे को लेकर संयुक्त मोर्चा की बैठक हरिण बागान गेस्ट हाउस में आयोजित की गई, जिसमें यूनियन के प्रतिनिधियों ने इस प्रस्ताव को मजदूर विरोधी करार दिया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि अगर दोनों क्षेत्रों को मिलाने की योजना लागू होती है, तो इसका सीधा असर मजदूरों की सुविधाओं और अधिकारों पर पड़ेगा। यह मजदूरों के शोषण को बढ़ाने और विभागीय उत्पादन को बंद कर सिर्फ आउटसोर्सिंग को बढ़ावा देने की साजिश है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस फैसले के खिलाफ क्रमबद्ध आंदोलन किया जाएगा और महाप्रबंधक, सीएमडी, डायरेक्टर और यूनियनों के महामंत्रियों को इसकी जानकारी दी जाएगी। संयुक्त मोर्चा ने आगामी 9 मार्च को बरोरा क्षेत्र के गेस्ट हाउस में अगली बैठक तय की है, जिसमें आंदोलन की आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। बैठक की अध्यक्षता जेके झा ने की, जबकि संतोष गोरगई, गोपाल मिश्रा, तुलसी साव, नकुल महतो, संजय चौबे, उत्तम पांडे, गोपाल चंद्र गोप, मंगल हेब्रम और राज किशोर चौधरी समेत कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

विधायक मथुरा प्रसाद महतो की स्वर्गीय पेमिया देवी की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित



सिजुआ। विधायक मथुरा प्रसाद महतो की स्वर्गीय माता पेमिया देवी की जयंती शुक्रवार को पेमिया ऋषिकेश मेमोरियल पब्लिक स्कूल, बांसकपुरिया में सादगीपूर्ण ढंग से मनाई गई। इस अवसर पर परिजनों और आमजनों ने उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके आदर्शों को स्मरण किया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने पेमिया देवी के व्यक्तित्व और समाज के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया। इस मौके पर बाबूनाथ महतो, बसंत महतो, प्रतोष महतो, झारखंड आंदोलनकारी दयाल महतो, चंद्रिका सिंह यादव, जनक लाल, संजय राय, पुनर्बंशु दास, मो. जावेद, मंदू महतो, बीरू सिंह, राजेन्द्र पासी, राजेश महतो, आनंद महतो, कृष्णा मंडल, दिनेश महतो, प्रदीप कुमार महतो, रूपाेश कुमार, निर्मल मोदक, पूनम कुमारी, राजा अंसारी, टिंकू अंसारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जयंती समारोह में उपस्थित लोगों ने उनके आदर्शों और संस्कारों को समाज में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया और उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रेरणा ली।

शुश्री आउटसोर्सिंग परियोजना के विस्तार का ग्रामीणों ने किया विरोध

खबर मन्त्र संवाददाता

जोड़ापोखर। जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के बगडिगी और सरफतपुर बस्ती के पास स्थित शुश्री आउटसोर्सिंग परियोजना के विस्तार को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। शुक्रवार को झारिया अंचल अधिकारी (सीओ) मनोज कुमार और थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा के नेतृत्व में सर्वे टीम जमीन मापी करने पहुंची, लेकिन ग्रामीणों ने इसका विरोध करते हुए परियोजना में हैवी ब्लास्टिंग रोकने की मांग उठाई। ग्रामीणों का कहना है कि बीसीसीएल द्वारा की जा रही भारी ब्लास्टिंग के कारण बस्ती में कंपन उत्पन्न हो रही है, जिससे अनेक घरों में दरारें पड़ रही हैं और हवा में बढ़ते प्रदूषण से उनका दैनिक

जीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का यह भी कहना था कि बगडिगी कोलियरी की जमीन बीसीसीएल की है, लेकिन वहां का काम रुक चुका है। इसके बावजूद एक साजिश के तहत बगडिगी बस्ती को उजाड़ने की योजना बनाई जा रही है। वहीं, दुमरियातांड बस्ती के लोगों ने भी विरोध जताते हुए कहा कि उनकी रैसुटी जमीन पर नेता डंप किया जा रहा है, लेकिन कंपनी की ओर से अभी तक कोई

खनन संबंधित विधि-व्यवस्था का मुद्दा बर्दाश्त योग्य नहीं : उपायुक्त

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। खनन से संबंधित विधि-व्यवस्था का मुद्दा कई बर्दाश्त योग्य नहीं है। विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने पर थाना प्रभारी और अंचल अधिकारी संयुक्त रूप से जवाबदेही होंगे। बीसीसीएल भी सतर्क रहे और यह सुनिश्चित करें कि अवैध खनन को लेकर जिले में विधि व्यवस्था नहीं बिगड़े। अवैध खनन रोकने में थाना और अंचल को सहयोग करें। अवैध खनन के कारण होने वाली घटना की विस्तार से जांच करें। जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई करें। यह बातें उपायुक्त माधवी मिश्रा ने शुक्रवार



को न्यू टाउन हॉल में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक में कही। कहा कि कुछ लोग जीएसटी का दुरुपयोग कर अवैध खनन को बढ़ावा दे रहे हैं। जिस कारण सरकार को राजस्व की हानी होती

के ज्वलंत मामलों पर चर्चा कर समाधान करने का निर्देश दिया। साथ ही अवैध खनन में सल्लिण के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने, सूचना तंत्र को मजबूत करने तथा इंटेलिजेंस फैलियर न हो, यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में सिटी एसपी अजीत कुमार ने कहा कि कोयले का खनन बाधित करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी ने कहा कि खनन स्थल पर टकराव की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका पर त्वरित धारा 163 भा.ना.सु.सं. के तहत निषेधाज्ञा लागू करने का आवेदन दे। आवेदन नहीं देना घोर

लापरवाही मानी जाएगी।

बैठक में जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिम्या ने खनिजों के अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध खनन कार्यालय द्वारा की गई कार्रवाई पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के निदेशक कार्मिक एम.के. रमैया ने कोयले के अवैध खनन के विरुद्ध की गई छापामारी, अवैध खनन के हॉटस्पॉट, अवैध खनन स्थल पर की गई डोजरिंग पर प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि खनन स्थल पर ड्रेन द्वारा तथा सभी काटा घरों पर सीसीटीवी से निगरानी रखी जा रही है।

असर्फी अस्पताल में अवैध पानी कनेक्शन की जांच, नगर निगम ने मांगे दस्तावेज

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। बढ़ती गर्मी और पेयजल संकट को देखते हुए नगर निगम ने अवैध पानी कनेक्शनों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में शुक्रवार को निगम की टीम ने असर्फी अस्पताल में जांच की, जहां चार कनेक्शन में से तीन अवैध पाए गए। अस्पताल प्रबंधन के पास सिर्फ एक कनेक्शन का वैध दस्तावेज था, जबकि बाकी तीन के कागजात नहीं मिले। जब निगम अधिकारियों ने इस पर अस्पताल प्रबंधन से जवाब मांगा, तो अस्पताल की ओर से तब तक दिया गया कि यहां समाज सेवा का काम होता है, इसलिए जांच की



कोई आवश्यकता नहीं है। हालांकि, नगर निगम के सहायक अभियंता उदय कच्छप ने स्पष्ट किया कि गड़बड़ी सामने आई है और अस्पताल प्रबंधन को सभी कागजात लेकर निगम कार्यालय आने का निर्देश दिया गया है। अगर तय समय पर दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जाते, तो निगम एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी।

नीरज सिंह हत्याकांड: पंकज सिंह के आवेदन पर अदालत ने दी समयावधि

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। चर्चित नीरज सिंह हत्याकांड की सुनवाई शुक्रवार को अदालत में हुई, जहां पंकज सिंह ने आवेदन देकर समय की याचना की। उन्होंने अदालत को सूचित किया कि पारित आदेश को उन्होंने उच्च न्यायालय में चुनौती दी है, इसलिए उन्हें समय दिया जाए। अदालत ने इस आवेदन को स्वीकार कर लिया। इससे पहले, पंकज सिंह ने

एसएसपी द्वारा दीसी धनबाद को लिखे गए पत्र को मंगवाने की प्रार्थना की थी, जिसे जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीसी अवस्थित की अदालत ने खारिज कर दिया। बचाव पक्ष के अधिवक्ता मोहम्मद जावेद ने दलील दी कि एसएसपी ने पोस्टमार्टम के लिए दीसी को पत्र लिखा था, जिसमें कहा गया था कि अज्ञात हमलावरों ने नीरज सिंह समेत अन्य लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस पत्र को अभिलेख पर लाना आवश्यक है।

साई बाबा मंदिर सिंदरी के 17वें स्थापना दिवस पर पहुंचे सांसद दुलू महतो, भक्तों संग की पूजा-अर्चना

खबर मन्त्र संवाददाता

सिंदरी। साई बाबा मंदिर, सिंदरी के 17वें स्थापना दिवस पर पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। चारों ओर 'साई राम साई राम' के जयकारे गूंज रहे थे। इस पावन अवसर पर धनबाद के एसएसपी हृदय पी. जनार्दन और धनबाद सांसद दुलू महतो ने साई बाबा की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सुबह मंदिर परिसर से भव्य साई पालकी निशान शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें 101 साई भक्तों ने हिस्सा लिया। एसएसपी हृदय पी. जनार्दन ने खुद अपने कंधों पर पालकी उठाई और 'ऊँ साई नमो नमः' के उद्घोष के साथ नगर भ्रमण



के लिए रवाना किया। शोभायात्रा के दौरान शहरपुरा बाजार में सिंदरी चेंबर ऑफ कॉमर्स ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। नगर भ्रमण के बाद साई पालकी पुनः मंदिर परिसर लौटी। दोपहर में धनबाद सांसद दुलू महतो ने मंदिर पहुंचकर पूजा की और कहा कि साई बाबा की

विशेष कृपा सिंदरीवासियों पर बनी हुई है। उन्होंने एफसीआई प्रबंधन के बेदखली अभियान पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि दशकों से रह रहे लोगों को बेदखल करना लोटी। दोपहर में धनबाद सांसद दुलू महतो ने मंदिर पहुंचकर पूजा की और कहा कि साई बाबा की



स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान ऊँ साई संस्थान के पदाधिकारी और विभिन्न नागरिक दलों के नेता भी उपस्थित रहे।



पांच दिवसीय लेजेंड कप नाइट क्रिकेट मैच आज से, पांच जिले की 24 टीमें भाग लेंगी

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। द लीजेंड कप सीजन-टू नाइट क्रिकेट मैच का उद्घाटन आठ मार्च को शाम सात बजे होगा। मुख्य अतिथि सांसद सुखदेव भगत, डीसी कर्ण सत्यार्थी, एसपी शंभु कुमार सिंह, एसडीओ राजीव नीरज व जिला खेल पदाधिकारी मनोज कुमार होंगे।

पांच दिनों तक रात्रि में चलने वाले इस प्रतियोगिता में पांच जिला की 24 टीमें भाग ले रही है। सभी



प्राण प्रतिष्ठा

धूमधाम से सम्पन्न

कांडी। प्रखण्ड के शिवपुर पंचायत अंतर्गत सोमपुरवा गांव में शुक्रवार को मंदिर में बजरंगबली के मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा बड़े ही धुमधाम से सम्पन्न हुआ। पिछले तीन दिनों से चल रहे धार्मिक अनुष्ठान आज सम्पन्न हुआ। 5 मार्च को मंदिर प्रांगण से सतबहिनी झरना तीर्थ तक विशाल कलश यात्रा निकाली गयी थी। जिसमें बड़ी संख्या में महिला पुरुष व बच्चे शामिल हुए। पुजारी हिमांशु पाठक ने सभी धार्मिक अनुष्ठान व कर्मकांड पूर्ण कराया। वही मुख्य यजमान के रूप में राम नरेश साहू व पत्नी बिमला देवी, सुरेश साहू-पत्नी प्रमिला देवी व उमेश साहू पत्नी अनिता देवी शामिल थे। शुक्रवार को मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के साथ हवन यज्ञ, पूर्णाहुति सम्पन्न हुआ। इसके साथ ही महाभंडारे का भी आयोजन किया गया था। मंदिर में बजरंगबली की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे गांव के लोगों ने बहुमूल्य भूमिका निभाया। जिसमें सूर्यदेव यादव, प्रदीप यादव, राम लखन साहू, मुखदेव यादव, रामेश्वर पाल, सीता राम पाल, सुनील साव, राम चन्द्र राम, योगेंद्र राम, पंचदेव पाल, सुरेन्द्र साव आदि का नाम शामिल है।

खेल महोत्सव में मुखिया ने दिया पुरस्कार

मझिआंव। झारखंड परियोजना निदेशक के निर्देश पर प्रखण्ड के उत्कर्मित उच्च विद्यालय मोरेबे में खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पंचायत मुखिया निर्मला देवी शामिल हुईं। इस खेलकूद में वर्ग 1 से 5 तक के बच्चे हिस्सा लिए। इस खेल महोत्सव में कई तरह के खेलकूद का आयोजन किया गया। जिसमें बोरा रेस, ब्रिस्कुट रेस, भेदक रेस, कुसी रेस इत्यादि। खेल प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय आने वाले प्रतिभागियों को पंचायत मुखिया निर्मला देवी ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मौके पर मुखिया ने कहा कि सरकार के द्वारा यह बहुत अच्छा पहल है। इस पहड़ा से छोटे-छोटे बच्चे शुरू से ही पढ़ाई लिखाई के साथ-साथ खेल के प्रति अपना ध्यान देंगे। जिससे बच्चों को मानसिक और शारीरिक के विकास करेगा। मौके पर विद्यालय के प्रभारी एवं शारीरिक शिक्षक संतोष कुमार मोर्य, सभी शिक्षकों सहित काफी संख्या में बच्चे उपस्थित थे।

चोरी की घटना के दो आरोपी गिरफ्तार

समगा। सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा समगा में गत सोमवार को मध्य रात्रि चोरों द्वारा बैंक के दीवार में लगे रौशनदान तोड़कर अन्दर घुस चोरी का प्रयास करने वाले चोरो की गिरफ्तारी कर न्यायिक हिरासत में शुक्रवार को जेल भेज दिया गया। इसकी जानकारी देते हुए एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह ने बताया कि सेंट्रल बैंक समगा में चोरों द्वारा दीवार के रौशनदान तोड़कर चोरी के प्रयास व नगर उंटारी कोर्ट के बगल से दो दुकान में चोरी किया गया था। जिसके उपरान्त पुलिस अधीक्षक गढ़वा के निर्देश पर एक टीम गठित कर अनुसंधान वह दोस सबूत के अधार पर सरफराज अहमद पिता बसिर असासी ग्राम निमियाडीह थाना दुदही, अंकित कुमार यादव पिता गोपाल यादव ग्राम दिखुल थाना दुदही को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज भेज दिया। छपामारी दल में एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह, धुरकी थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार, एसआई बिकु कुमार आदि शामिल थे।

गुमला शहर के शहीद तेलंगा खड़िया स्टेडियम में होगा मैच, सभी मैच लाइव व स्क्रीन पर दिखाया जायेगा

मैच शाम छह बजे से 11 बजे तक चलेगी। सभी मैचों का प्रसारण यूट्यूब चैनल में लाइव देखा जा सकता है। साथ ही स्टेडियम में बड़ा स्क्रीन लेगेगा। जिसमें मैच देखे जा सकता है। मैच के संयोजक रोहित उरांव विक्की ने बताया कि स्टेडियम के गैलरी में 10 हजार से अधिक दर्शकों की बैठने की व्यवस्था है। दर्शक पूरब व पश्चिम दिशा के गेट से ग्राउंड में



लेजेंड कप क्रिकेट टूर्नामेंट के ट्राफी का अनावरण करते जिला खेल पदाधिकारी व अन्य

प्रवेश कर सकते हैं। सभी मैच खड़िया स्टेडियम-टू में होगा। गुमला शहर के शहीद तेलंगा प्रतियोगिता का आयोजन मॉनिंग

हमें अंधविश्वास व कुरीतियों से लड़ना है और बच्चियों को शिक्षित बनाना है: सांसद

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। बसिया प्रखंड के सरना मैदान में महिला विकास मंडल का दसवां महाधिवेशन का आयोजन शुक्रवार को किया गया। अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि सांसद सुखदेव भगत व जिला परिषद अध्यक्ष किरण माला बाड़ा शामिल हुई। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से किया। अधिवेशन की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि सांसद सुखदेव भगत ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें

छोटानागपुरिया तेली समाज का वार्षिक जतरा सह मेला 9 मार्च को

गुमला। वार्षिक तेली जतरा सह मेला को लेकर शुक्रवार को स्थानीय बड़ाईक मुहल्ला स्थित समाज के कार्यालय में छोटानागपुरिया तेली उत्थान समाज के पदाधिकारियों ने प्रेस कार्रफेंस किया। जतरा सह मेला के संयोजक किशोर साहु ने कहा कि तेली जतरा में 15 गरीब बेटियों का विवाह समाज के द्वारा कराया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारी पूरी कर ली गई है। कार्यक्रम रथ बगीचा करौंदी में 9 मार्च को होगी। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, सांसद धीरज साहू, सांडा ढुलु महतो व केंद्रीय राज्य मंत्री शहरी विकास तोखन साहु शामिल होंगे। समाज के केंद्रीय अध्यक्ष उदासन नाग ने कहा कि दक्षिणी छोटानागपुर के सभी जिलों में पिछड़ों का आरक्षण रोस्टर प्रणाली में शून्य है। राज्य सरकार के तृतीय व चतुर्थ वर्ग में नौकरी में पिछड़ों को आरक्षण नहीं मिल रहा है।

स्थानीय दुकानदारों से ही लोग खरीदें समान: दामोदर

गुमला। निर्वन्तमान चेंबर अध्यक्ष दामोदर कसेरा ने त्योहारों के इस सीजन में जिले वासियों से स्थानीय दुकानदारों से ही सामग्री खरीदने की अपील की है। अभी होली, सरहुल, ईद व रामनवमी जैसे महत्वपूर्ण त्योहार हैं। ऐसे में लोग लोकल बाजार से अपने जरूरत के समान खरीदें। ऑनलाइन से दूरी बनाएं। अभी देखा जा रहा हैं की ऑनलाइन से लोग अपने जरूरत के समान मंगा रहे हैं।

खबर मन्त्र संवाददाता

लोहरदगा। जिले मे होली के अवसर पर लोगों को स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला खाद्य सुरक्षा विभाग ने कड़ी कार्रवाई की है। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी राजा कुमार की अगुवाई में शुक्रवार को जिले के विभिन्न होटलों, रेस्टोरेंट्स, मिठाई दुकानों और किराना स्टोर्स पर छापेमारी की गई। इस दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की स्थल जांच की गई और कई दुकानों से सैंपल लेकर उन्हें लैब टेस्ट के लिए भेजा गया। मौके पर रजनीश कुमार समेत जिला खाद्य सुरक्षा विभाग के अन्य कर्मी भी उपस्थित थे। छापेमारी के दौरान कई दुकानों में गड़बड़ियां पाई गईं, जिसके चलते कई प्रतिष्ठानों पर जुमाना लगाया गया और नोटिस जारी किए गए। राजलक्ष्मी स्वीट्स पर २२,000 का जुमाना ठोका गया क्योंकि वहां खाद्य रंग (जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है) रखा गया था। राजलक्ष्मी किराना स्टोर पर २100 का आर्थिक दंड लगाया गया। अरुण आइसक्रीम सेंटर से स्पथीकरण मांगा गया। मिशन चौक के एक पिज्जा दुकान

महिला विकास मंडल का दसवां महाधिवेशन संपन्न



कार्यक्रम का उद्घाटन करते सांसद, ज़िप अध्यक्ष व अन्य

अंधविश्वास और कुरीति से लड़ना है। बेटियों की शिक्षा में ध्यान देना और बेटियों को शिक्षित बनाना है। क्योंकि बेटियां शिक्षित होगी तो एक

सभ्य समाज का निर्माण हो सकता है। श्री भगत ने कहा कि सरकार के द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाओं की

मत्स्य पालन से बदल रही है लोगो की आर्थिक स्थिति

खबर मन्त्र संवाददाता

भंडरा। मत्स्य पालन को रोजगार का एक बेहतर माध्यम माना जाता है। लोगों के लिए कम पूंजी में इसे बेहतर रूप से करना आसान है। ऐसे में ग्रामीणों का झुकाव मत्स्य पालन की ओर बढ़ा है। इसी प्रकार से लोहरदगा जिले के भंडरा प्रखंड अब मत्स्य पालन के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। लोहरदगा जिला के भंडरा के चट्टी में केज व निजी तालाब में मत्स्य पालन कर स्थानीय निवासी पहलवान तिवारी एक अलग पहचान बना रहे हैं। मत्स्य पालक के रुप में इनकी क्षेत्र में एक अलग पहचान बन चुकी है। लोग इस काम में इनके साथ जुड़ने लगे हैं। मत्स्य पालन के परंपरागत तौर तरीकों को बदलकर जिंदगी की मुश्किलों को आसान बनाया है। चट्टी के पहलवान तिवारी महज 50 डिसमिल जमीन में नील क्रांति को बढ़ावा देने के

पंचायत भवन में मनाया गया जन औषधि दिवस

खबर मन्त्र संवाददाता

भंडरा। प्रखंड के उदरंगी पंचायत भवन में शुक्रवार को जन औषधि दिवस मनाया गया। उदरंगी मुखिया परमेश्वर महली की अध्यक्षता में विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। भंडरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सहयोग से महिलाओं को निशुल्क सैनिटरी पैड स्थित अन्य दवाये वितरित किए गए। मौके पर ए एन



कार्यक्रम में मौजूद लोग

एम दीपिका कुमारी साहू ने बताया की यह पहल मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए की गई। साथ ही महिलाओं तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने का प्रयास

क्रिकेट क्लब गुमला द्वारा किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए गुमला के 50 युवाओं की टीम लगी है। प्रतियोगिता के दौरान सुरक्षा व विधि व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम रहेगा। मैच के आयोजन का मुख्य मकसद गुमला में बढ़ते नशापान को कम करना व सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने के लिए युवाओं को जागरूक करना है। साथ ही

शुरूआत की गई है। सरकार के कामों को जानना आपका अधिकार और हक है एवं वहां उपस्थित जिले कई प्रखंडों से आयी महिलाओं से उन्होंने कहा कि मैं सांसद हूँ लेकिन उसके साथ आपका बेटा और भाई भी हूँ। जिला परिषद अध्यक्ष किरण माला बाड़ा ने कहा कि महिलाएं महिला मंडल से जुड़कर आर्थिक स्वावलंबन की दास्ता लिख रही है। महिला मंडल के माध्यम से महिलाएं स्वरोजगार से भी जुड़ रही हैं। वर्तमान समय महिलाओं के उत्थान का चल रहा है। जिसका हर महिला को लाभ उठाना चाहिए। आज

सरकार भी महिलाओं को फोकस कर कई योजनाएं विशेष रूप से संचालित कर रही है। जिसका लाभ महिलाएं उठावें। इस दौरान सांसद सुखदेव भगत ने कार्यक्रम में बैठी महिलाओं से जाकर मुलाकात की और कार्यक्रम में लगाये गये स्टॉल का निरीक्षण किया। आयोजन के दौरान महिलाओं के द्वारा पारंपरिक नृत्य एवं समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने वाली झांकियां भी दिखाई गईं। कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष चेतु उरांव, प्रदेश सचिव रोशन बरवा, सांसद प्रतिनिधि राजनील तिग्गा, प्रखंड के जनप्रतिनिधि व काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित थे।

कई समितियां कर रही है मत्स्य पालन, लोगों को मिल रहा है रोजगार



मत्स्य पालन का निरीक्षण करते अधिकारी

जिला मत्स्य पदाधिकारी कुमुन्ग लता ने कहा कि जिला में मत्स्य पालन की अपार संभावनाएं हैं। मत्स्य विभाग का उद्देश्य किसानों को मत्स्य पालन को बढ़ावा देते हुए किसानों को आर्थिक रुप से सशक्त करना है।

साथ-साथ अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाया है। पहलवान तिवारी द्वारा चट्टी में नील क्रांति को बढ़ावा देने की गूंज क्षेत्र के कई गांव में भी है। इनकी मत्स्य पालन को देखने के लिए जिला मत्स्य पदाधिकारी मधु लता ने भी भ्रमण कर इनके कार्यों की सराहना की

है। साथ ही मत्स्य पालन के क्षेत्र में हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया है। इसी तरह भंडारा के नंदनी जलाशय में दो मत्स्य परजीवी समिति जनक व टूटू साहू द्वारा भी केज के माध्यम से मत्स्य पालन को अपना जीविकापार्जन का आधार बनाया

गुमला में बढ़ रहे साइबर क्राइम के प्रति भी लोगों को जागरूक करना है। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए गुमला के 15 स्पॉन्सर की मदद मिल रही है। जिला के खेल पदाधिकारी मनोज कुमार, गुमला के समाज सेवी मनोज गुप्ता, भोला चौधरी, रोहित उरांव, दीपक वर्मा, ऑक्साफोर्ड पब्लिक स्कूल के निदेशक संजय कुमार गुप्ता ने शुक्रवार को

गुमला में बढ़ रहे साइबर क्राइम के प्रति भी लोगों को जागरूक करना है। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए गुमला के 15 स्पॉन्सर की मदद मिल रही है। जिला के खेल पदाधिकारी मनोज कुमार, गुमला के समाज सेवी मनोज गुप्ता, भोला चौधरी, रोहित उरांव, दीपक वर्मा, ऑक्साफोर्ड पब्लिक स्कूल के निदेशक संजय कुमार गुप्ता ने शुक्रवार को

गया है। जिसमें 110 सदस्य जुड़े है। इससे सभी सदस्यों को सलाना एक से डेढ़ लाख रुपए की आमदनी हो रही है।

इसके अलावे भंडरा प्रखंड में मत्स्य विभाग द्वारा 20 तालाब को निचिदा के माध्यम से किसानों को दिया गया है। जिसमें 500 से अधिक किसान मत्स्य पालन से जुड़े है। मत्स्य परजीवी समिति भीठा के टूटू साहू व जनक साहू कहते है कि मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य पालन को लेकर केज व अन्य सामग्री मुहैया कराया गया है। जिसमें मत्स्य परजीवी समिति द्वारा स्वयं के खर्च से जीरा डाला जाता है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में काफी बदलाव हुआ है। मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का समय-समय से लाभ दिया जाता है।

रमजान महीने का पहला जुम्मा अदा किया गया

भंडरा। रमजान महीने का पहला जुम्मा सभी मस्जिदों में अदा किया गया इस मौके पर मुस्लिम धर्म लॉबियों के द्वारा रमजान महीने के पहले जुम्मा के अवसर पर क्षेत्र में सुख शांति अमन चैन की दुआ की गई। मौके पर भंडरा के बड़ी मस्जिद, छोटी मस्जिद, मसमानो , सोरदा, बांधटोली, बलसोता, उदरगी, टंठारा टोली, तेतरपोका, बड़ागाई सहित अन्य मस्जिदों में रमजान महीने का पहला जुम्मा अदा किया गया।

पवित्र रमजान के पहले जुम्म की नमाज़ शहर के विभिन्न मस्जिदों में अदा की गई

गुमला। पवित्र रमजान के पहले जुम्म की नमाज शहर के विभिन्न मस्जिदों में अदा की गई। थाना रोड स्थित जामा मस्जिद में भारी संख्या में नमाजी इमाम मौलाना ऐनाम रब्बानी की इमामत में नमाज अदा किया। इस मौके पर ऐनाम रब्बानी ने सैकड़ों लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पवित्र रमजान के मौके पर जितना हो सके इबादत हम सब करें और कुरान की तिलावत गरीब, असहाय, यतीम, बेसहारा का दिल खोलकर मदद करें और अपने रब को राजी करें। सिर्फ भूखे प्यासे रहने का नाम नहीं है। रोजा हम अपने पार्क पालनहार के नाम पर रखते और हम सब अपनी जिंदगी प्यारे रसूल हजरत मोहम्मद साहब के बताए हुए रास्ते पर चलकर गुजराने की जरूरत है। तभी हम सब कामयाब हो सकते हैं। इसके अलावे शहर के विभिन्न मस्जिदों लगभग 12 स्थान में रमजान के पहले जुमे की नमाज अदा की गई। जिला प्रशासन और नगर परिषद के पदाधिकारी से अपील किया है कि मस्जिद के आसपास गंदगी की साफ कराई जाए और पानी की सफ्लाई रमजान के मौके पर भरपूर करें।

स्टेडियम में प्रतियोगिता के ट्रॉफी का अनावरण किया। मनोज कुमार ने कहा है कि गुमला के खेल के माहौल को बनाने के लिए जिस प्रकार क्रिकेट मैच हो रहा है। यह अपने आप में ऐतिहासिक कदम है। निश्चित रूप से गुमला में नशापान के खिलाफ इस प्रकार की मुहिम का लाभ मिलेगा। सड़क सुरक्षा व साइबर क्राइम के प्रति भी लोग जागरूक होंगे। मनोज गुप्ता ने कहा

एक नजर में

स्वरोजगार से आत्मनिर्भरता की ओर: प्रियंका कुमारी की सफलता की कहानी

गुमला। जिले में संचालित उज्जना बिज्जना अभियान के तहत गुमला जिले के ग्राम टोटो की प्रियंका कुमारी जो पहले पारंपरिक तरीके से मिट्टी के बर्तन बनाने के कार्य में अपने परिवार की मदद नहीं कर पाती थी। आज मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड की सहायता से आत्मनिर्भर बन गई हैं। वर्ष 2023 में उसे 90 प्रतिशत अनुदानित दर पर इलेक्ट्रिक चाक और पामिल प्राप्त हुआ। इससे पहले उनके परिवार में केवल बड़े-बुजुर्ग ही हाथ से चाक चलाकर मिट्टी के बर्तन बनाते थे। क्योंकि यह कार्य अधिक श्रमसाध्य था। लेकिन इलेक्ट्रिक चाक मिलने के बाद प्रियंका भी आसानी से विभिन्न प्रकार के मिट्टी के उत्पाद बना पा रही हैं। इस आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से न केवल उनके काम में सहूलियत हुई, बल्कि समय की भी बचत होने लगी। अब कम समय में अधिक उत्पाद तैयार हो रहे हैं। जिससे उनकी आमदनी में भी वृद्धि हुई है। प्रियंका की इस सफलता ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की राह दिखाई।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक संपन्न

गुमला। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त श्री कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आहूत की गई। उक्त बैठक में उपायुक्त ने कहा कि अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम में टास्क फोर्स की अहम भूमिका है। टास्क फोर्स के सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय रखकर कार्य किए जाने की जरूरत है तभी अवैध खनन पर रोकथाम संभव है। इसके साथ ही अवैध खनन पर रोकथाम हेतु विशेष रूप से रात्रि में अवैध परिवहन की जांच की जाए। उन्होंने अवैध रूप से चल रहे ईंट भट्ठों को चिन्हित करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने खनिज लंदे वाहनों में परिवहन चालान एवं ओवर स्पीडिंग की जांच सख्ती से करने का निर्देश दिया साथ ही खनिज लंदे वाहनों को ढंक कर परिचालन करने की बात कही। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि खनन पट्टा एवं क्रशर इकाईयों की नियमित जांच कर यह सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा बॉर्ड्री पीलर, साइन बोर्ड एवं नियमित पानी का छिड़काव किया जा रहा है कि नहीं। साथ ही क्रशर को कवर करके ही रखा जाए। बैठक में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पर्यावरण संबंधी संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित रूप से निरीक्षण एवं छापेमारी की जाए। पुलिस अधीक्षक श्री शंभु कुमार सिंह ने जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध थाना प्रभारी को सक्रियता दिखाते हुए प्रशासनिक तालमेल के साथ छापेमारी करते हुए कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

भाजपा विधायक दल के नेता बने बाबूलाल मरांडी, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

लोहरदगा। झारखंड में भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में बाबूलाल मरांडी के चयन पर पूरे प्रदेश में हर्ष और उत्साह का माहौल है। भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में जबरदस्त जोश देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को लोहरदगा भाजपा के सक्रिय सदस्य पवन तिग्गा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने रांची स्थित बाबूलाल मरांडी के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की और उन्हें विधायक दल के नेता बनने की बधाई दी। प्रतिनिधि मंडल में राजकुमार वर्मा, दीपक कुमार साहू, सत्यम कुमार, विकास अग्रवाल, राजकुमार पंडित सहित कई अन्य भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे, जिन्होंने अपने पूर्ण समर्थन और सहयोग का आश्वासन दिया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि बाबूलाल मरांडी के अनुभव और कुशल नेतृत्व में झारखंड में पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी।

खन्ना ने की आत्महत्या, जांच जारी

सेन्हा-लोहरदगा। सेन्हा थाना क्षेत्र के कंडरा बगीचा टोली निवासी चारु उरांव के 18 वर्षीय पुत्री ऋतु कुमारी ने गुरुवार देर शाम आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पहुंची और मामले की जानकारी ली। पुलिस शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लोहरदगा भेज दिया। परिजनों के अनुसार घटना के पूर्व घर के सभी सदस्य फसल की सिंचाई करने खेत चले गए थे। देर शाम जब लड़की की मां घर पहुंची तो देखा कि ऋतु ने आत्महत्या कर ली है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के पूर्व पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

पेज 1 का शेप....

चार्जशीटेड भ्रष्ट लोग सेवकों के खिलाफ कोर्ट ने लिया सज़ान...

मिली जानकारी के अनुसार चार्जशीट में द्वितीय सिविल सेवा परीक्षा में भारी संख्या में गड़बड़ी के साक्ष्य मिले हैं। तत्कालीन जेपीएससी के सदस्य और कोऑर्डिनेटर के कहने पर 12 परीक्षार्थियों के नंबर बढ़ा दिये गये थे। कई अभ्यार्थियों की कॉपियों में क्रांट-छांट कर नंबर बढ़ाये गये और सफल उम्मीदवारों के इंटरव्यू में मिले वास्तविक नंबर को भी बढ़ाया गया। कॉपियों की जांच गुजरात स्थित फोरेंसिक लैब में कराई गई है।

इन आरोपियों के खिलाफ समन जारी

जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष दिलीप प्रसाद, तत्कालीन वरीय सदस्य गोपाल प्रसाद सिंह, सदस्य शांति देवी, सदस्य राधा गोविंद, परीक्षा नियंत्रक एलिस उषा रानी व असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर अरविंद सिंह, परीक्षकों में इंटरव्यू एक्सपर्ट प्रो नंदलाल, परीक्षक डॉ मुनींद्र कुमार तिवारी, रघुवीर सिंह तोमर, डॉ शिव बहादुर सिंह, प्रो ओंकारनाथ सिंह, डॉ सुधीर कुमार शुक्ला, प्रो अमरनाथ सिंह, डॉ दीनानाथ सिंह, डॉ राजेंद्र प्रसाद सिंह, डॉ ओम प्रकाश सिंह, डॉ योगेंद्र सिंह, डॉ मिथिलेश कुमार सिंह, डॉ रवि प्रकाश पांडेय, डॉ बंशीधर पांडे, दिवाकर लाल श्रीवास्तव, डॉ सियाराम सिंह यादव, प्रदीप कुमार पांडे, डॉ मधुसुदन मिश्रा, डॉ सभाजीत सिंह यादव, डॉ एसडी सिंह, डॉ अशोक कुमार सिंह, महेंद्र मोहन वर्मा, तुलसी नारायण मुंडा, कोऑर्डिनेटर परमानंद सिंह, अब्बट टोपपो, सोहन राम, परीक्षा एजेंसी के धीरज कुमार। अभ्यार्थियों में राधा प्रेम किशोर, विनोद राम, हरि शंकर बराईक, हरिहर सिंह मुंडा, रवि कुमार कुजुर, मुकेश कुमार महतो, कुंदन कुमार सिंह, मौसमी नागेश, कानु नाग नाग, प्रकाश कुमार, संगीता कुमारी, रजनीश कुमार, शिवेंद्र, संतोष कुमार चौधरी, शैलेंद्र कुमार श्रीवास्तव, अमित कुमार, राहुल जा आनंद जी, इंद्रजीत सिंह, शशिपर कुमार सिंह, राजीव कुमार सिंह, रामकृष्ण कुमार, प्रमोद राम, अरविंद कुमार, विकास कुमार पांडे, मनोज कुमार, सुदामा कुमार एवं कुमुद कुमार का नाम शामिल है।



प्रधानमंत्री मोदी 11 को जायेंगे मॉरीशस

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 एवं 12 मार्च को मॉरीशस के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लेंगे। मॉरीशस का राष्ट्रीय दिवस 12 मार्च को है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। इस समारोह में भारतीय सेना की एक टुकड़ी तथा भारतीय नौसेना का एक युद्धपोत भी शामिल होगा। प्रधानमंत्री ने पिछली बार 2015 में मॉरीशस की यात्रा की थी।

सोनभद्र में एक करोड़ का गांजा बरामद

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र जिले के राबट्सगंज व घोपन थाना क्षेत्र में एसओजी व सर्विलांस की संयुक्त टीम ने दो अलग अलग जगहों से छापेमारी कर ओडिशा के कटक जिले से पंजाब ले जा रहे दो गाड़ियों से पांच खिंटल 10 किग्रा गांजा बरामद किया गया है। बरामद गांजे का अनुमानित कीमत लगभग एक करोड़ पांच लाख रुपए है। एसपी अशोक कुमार मीणा ने शुक्रवार को बताया कि तस्करो के खिलाफ चलाए गए अभियान में पुलिस की संयुक्त टीम ने दो जगहों पर घेराबंदी कर चार तस्करो को गिरफ्तार किया है।

पूरी दिल्ली में खुलेंगे जन औषधि केंद्र : रेखा

नयी दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रार को जन औषधि दिवस के अवसर पर अशोक विहार स्थित जन औषधि केंद्र का दौरा कर कहा कि पूरी दिल्ली में जन औषधि केंद्र खोले जाएंगे। गुप्ता ने बताया कि आज जन औषधि दिवस के अवसर पर हमने दिल्ली में अशोक विहार में स्थित प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का दौरा कर व्यवस्था का जायजा लिया।

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जन औषधि दिवस पर कहा कि केंद्र सरकार सस्ती और गुणवत्तापूर्ण जेनैरिक दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए देशभर में 25,000 जन औषधि केंद्र खोलेगी। प्रधानमंत्री ने सिलवासा में एक कार्यक्रम में केंद्रशासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के लिए 2580 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास के बाद सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जन औषधि दिवस भी है। उन्होंने जन औषधि को सस्ते इलाज की गारंटी करार दिया। उन्होंने कहा कि जन औषधि का मंत्र दाम कम, दवाई में दम है। मोदी ने कहा कि हमारी सरकार अच्छे अस्पताल भी बनवा रही है, आयुष्मान योजना के

जन औषधि का मंत्र दाम कम, दवाई में दम : मोदी

► प्रधानमंत्री ने मोटापे से निपटने के लिए खाद्य तेल की खपत में 10 प्रतिशत की कमी लाने का फ़िर किया आह्वान

तहत मुफ्त इलाज की सुविधा भी दे रही है और जन औषधि केन्द्रों के जरिए सस्ती दवाएं भी दे रही है। आने वाले वर्षों में हम देशभर में 25,000 जन औषधि केंद्र खोलने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। अब तक सरकार ने 6,400 करोड़ रुपये से अधिक की सस्ती दवाइयाँ बेची हैं, जिससे लाभार्थियों को लगभग 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत होने का अनुमान है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों के मोटापे से ग्रसित होने पर चिंता जताई और खाद्य तेल की खपत में कटौती की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने एक रिपोर्ट का



हवाला देते हुए कहा कि 2050 तक 44 करोड़ भारतीय मोटापे से ग्रस्त होंगे। उन्होंने इसे चौंकाने वाला और खतरनाक आंकड़ा बताया। उन्होंने आगाह किया कि

मोटापे के कारण हर तीसरा व्यक्ति गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो सकता है। मोदी ने मोटापे से निपटने के लिए खाद्य तेल की खपत में 10 प्रतिशत की कमी लाने का आह्वान

देहराया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में इससे बड़ी स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होंगी। उन्होंने कहा, हूहम सभी को अपने खाने के तेल में 10 प्रतिशत की कटौती करनी चाहिए। हमें हर महीने 10 प्रतिशत कम तेल में काम चलाने का प्रयास करना है। मोटापा कम करने की दिशा में ये एक बहुत बड़ा कदम होगा। इसके अलावा हम व्यायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि सिंगापुर कभी एक द्वीप था, जहां कुछ मछुआरे रहते थे, लेकिन अपने नागरिकों की कड़ी मेहनत के कारण यह बहुत कम समय में एक विकसित देश बन गया। इसी तरह दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव को भी बदल सकते हैं। मोदी ने कहा कि

पति जेल गए तो वाइफ को बना दिया मुख्यमंत्री

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर सदन के अंदर लालू परिवार पर हमलावर हो गए। उन्होंने विधान परिषद के बजट सत्र की कार्यवाही के दौरान वे राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की पत्नी एवं पूर्व सीएम राबड़ी देवी पर भड़क गए। नीतीश ने राबड़ी देवी की ओर इशारा करते हुए कहा कि इसके हसबैंड (लालू यादव) जेल गए तो, अपनी वाइफ को (मुख्यमंत्री) बना दिया। बिहार विधान परिषद की पहली पाली में शुक्रवार को प्रश्नकाल हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सदन में विपक्ष की नेता राबड़ी देवी भी मौजूद रहीं। आरजेडी की एमएलसी उर्मिला ठाकुर जब महिलाओं के मुद्दे पर सवाल कर रही थीं, नीतीश ने कहा कि हमने महिलाओं के लिए बहुत कुछ किया है। विपक्ष की ओर इशारा करते हुए वे बोले कि इनको कुछ मालूम भी है। इन लोगों ने आज तक तो महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया।

राबड़ी देवी पर भड़के नीतीश



तहव्वुर के प्रत्यार्पण का रास्ता साफ

वॉशिंगटन। मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपित तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया है। भारत प्रत्यर्पण के फैसले पर रोक लगाने की उसकी मांग अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी। तहव्वुर ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील कर कहा था कि उसे भारत प्रत्यर्पित न किया जाए। उसने इमरजेंसी स्टे की मांग करते हुए कहा था कि भारत भेजे जाने पर उसे टॉर्चर किया जा सकता है। वह मुस्लिम है और पाकिस्तानी मूल का है इसलिए उसे ज्यादा खतरा है। उसने अपने खराब स्वास्थ्य का भी हवाला देते हुए प्रत्यार्पण पर रोक की मांग की थी। पाकिस्तान मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा (64) को लॉस एंजेलिस के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। वह 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकी डेविड कोलमैन हेडली का करीबी है। अमेरिका में उसे आतंकी संगठन लश्?कर-ए-तैयबा के लिए काम करने का दोषी पाया गया और भारत लंबे समय से उसके प्रत्यर्पण की मांग कर रहा था। पिछले महीने व्हाइट हाउस में

मुंबई हमले के आरोपी राणा की याचिका अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की थी कि तहव्वुर राणा को भारत भेजा जाएगा और वह भारत जाकर न्याय का सामना करेगा। इससे पहले जनवरी में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी, क्योंकि कोर्ट ने मामले में उसकी समीक्षा याचिका खारिज कर दी थी। 26 नवंबर 2008 को 10 पाकिस्तानी आतंकियों ने मुंबई में लगभग 60 घंटे तक चले हमले में 166 निर्दोष लोगों की जान ले ली थी। हमले के बाद आतंकी अजमल कसाब को जिंदा पकड़ लिया गया था। नवंबर 2012 में कसाब को पुणे की यरवदा जेल में फांसी दी गई थी।



प्रिय आँगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका बहनों,

आप सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च, 2025 की हार्दिक शुभकामनाएँ।

आज इस शुभ अवसर पर मैं अपने प्रिय आँगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका बहनों को राज्य के प्रति आपकी समर्पित सेवा के लिए दिल से सराहना करने के साथ-साथ अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का मुख्य थीम Accelerate Action रखा गया है, जिसका मुख्य भाव महिलाओं के अधिकारों, लैंगिक समानता तथा सम्पूर्ण विकास को तेज गति देने पर जोर देता है। हमारी आँगनबाड़ी सेविकाएँ एवं सहायिका बहनों के द्वारा इस थीम को पूर्ण रूप से सार्थक करते हुए तन-मन से राज्य हित में कार्य किया जा रहा है। आँगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से समुदाय की सेवा में आपके अटूट, सम्पूर्ण और निरंतर प्रयासों के लिए अबुआ सरकार आपका आभारी है।

हमारे लिए बहुत गर्व का विषय है कि महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के अन्तर्गत कुल- 37876 सेविकाएँ, 34941 सहायिकाएँ एवं 679 महिला पर्यवेक्षिकाएँ क्षेत्रीय कार्यकर्ता के रूप में समाज में समान अवसर का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण देते हुए निरंतर कार्यरत हैं।

आज आँगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से नियमित स्वास्थ्य जाँच, वृद्धि निगरानी, टीकाकरण तथा कुपोषण प्रबंधन के माध्यम से मातृ मृत्युदर एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आयी है, जो काफी गौरवान्वित करता है। पोषण जैसे महत्वपूर्ण विषय को जन आंदोलन का रूप देकर कुपोषण मुक्त झारखण्ड की कल्पना को साकार करने की यात्रा में आप महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

उल्लेखनीय है कि आज झारखण्ड राज्य में 154186 गर्भवती महिलाओं, 121655 धात्री माताओं तथा 1323217 छः माह से तीन वर्ष के बच्चों को पोषक तत्व से भरपूर शिशु आहार, पौष्टिक मीठा दलिया एवं नमकीन दलिया नियमित रूप से आँगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही, 3 से 6 वर्ष के बच्चों को गर्म ताजा पका हुआ भोजन के साथ-साथ अण्डा भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कि बच्चों का विकास सही ढंग से हो सके तथा वे राज्य निर्माण में अपना सम्पूर्ण योगदान दे सकें।

आज के Digital युग में हमारी आँगनबाड़ी सेविकाएँ तथा महिला पर्यवेक्षिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका दो देखते हुए जल्द ही उन्हें Smart Phone उपलब्ध कराया जाएगा।

आपके द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाओं यथा-सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, झारखण्ड मुख्यमंत्री मैडर्या सममान योजना, पोषण अभियान योजना, पेंशन योजना, निःशुल्क कल्याणार्थ योजना, सामूहिक कुशीति निवारण योजना, विधवा पुनर्विवाह योजना का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिससे कि जनसमुदाय को इन योजनाओं का लाभ ससमय मिल सके। साथ ही, बी.एल.ओ. के रूप में आपके अथक प्रयासों के कारण राज्य भर में मतदाताओं का समावेशीकरण हुआ है एवं चुनाव पर्व में लोगों ने बढ़-चढ़ कर अपने मतदाधिकार का प्रयोग किया है।

आज इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आपकी मेहनत और लगन के साथ-साथ महिलाओं के सम्पूर्ण विकास, सशक्तिकरण तथा समान अवसर दिलाने की दिशा में आईए मिल कर हमसब प्रयास करें ताकि **अबुआ झारखण्ड-स्वस्थ और सुपोषित झारखण्ड बन सके।**

आपका आभार और धन्यवाद !

शुभकामनाओं सहित

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PRNO 348116 (Women, Child Development & Social Security) IPRD- 24-25

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार



अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस





संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड



हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड



अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

पर समस्त नारी शक्तियों को हमारा जोहार एवं अभिनन्दन

तू ही शक्ति,
तू ही सृष्टि,
कैसे करुं तुम्हारा वंदन,
तुझसे ही जग की अभिव्यक्ति!
महिला, जिनके बिना परिवार,
समाज, देश और इस संसार की
कल्पना ही नहीं की जा सकती,
जिनके अस्तित्व को कोई चुनौती
ही नहीं दे सकता,
उन्हें सदैव नमन

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PRNO 348063(IPRD)24-25

